WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

# कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 284 | लखनऊ, रविवार, 04 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

हिना खान ने ग्लैमरस अंदाज में मनाया अपना जन्मदिन

### हाथरस गैंगरेप केस

# हाथरस कांड की होगी सीबीआई जांच

**लखनऊ, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने हाथरस कांड में सीबीआई जांच की सिफारिश कर दी है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सीएम योगी के आदेश के बाद सीबीआई जांच की सिफारिश की गई है। दलित युवती के साथ गैंगरेप और उसके बाद हुई उसकी मौत के मामले की जांच पहले से ही एसआईटी कर रही है। राज्य सरकार ने इस मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने का फैसला लिया था। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद राज्य सरकार ने अब इस केस को सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है। 14 सितंबर को उत्तर प्रदेश

के हाथरस जिले में एक दलित युवती के साथ हैवानियत की घटना सामने आई थी। पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप की धारा में मामला दर्ज कर लिया था। चारों आरोपी फिलहाल पुलिस की गिरफ्त में हैं। घटना के बाद पीड़िता कई दिनों तक बेसुधी के हालत में रही। तबीयत बिगड़ने के बाद उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था, जहां पर मंगलवार को उसकी मौत हो गई। मौत के बाद पीड़िता के शव को लेकर परिजन उसी दिन हाथरस चले गए। यहां पर मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात पीड़िता का अंतिम संस्कार कर दिया गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि हमें अंतिम समय में अपनी बच्ची को देखने नहीं दिया गया और प्रशासन ने पुलिसिया पहरेदारी में रात 2.30 बजे अंतिम संस्कार कर दिया। गैंगरेप और पुलिस-प्रशासन की लापरवाही के खिलाफ चल रहा प्रदर्शन रात में अंतिम संस्कार किए जाने की घटना के बाद और तेज हो गया। विरोध बढ़ता देख सरकार ने एसआईटी जांच बिठा दी। शुक्रवार की शाम चार बजे तीन सदस्यीय एसआईटी ने मामले में अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप दी। शुरुआती जांच में लापरवाही पाए जाने के बाद यूपी सरकार ने हाथरस पुलिस अधीक्षक, डीएमसपी, इलाके के इंस्पेक्टर सहित अन्य अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। अब सरकार ने मामले की जांच को सीबीआई को सौंपने का फैसला लिया है।

#### डीएम के खिलाफ अभी तक एक्शन नहीं

गैंगरेप की शिकार हुई लड़की का शव जल्दबाजी में जलाने के बाद से पुलिस-प्रशासन पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। परिवार ने आरोप लगाया था कि डीएम प्रवीण कुमार लक्षकार ने दबाव बनाया था और कहा था कि लड़की कोरोना से मर जाती तो क्या मुआवजा मिलता? हालांकि, सरकार ने डीएम के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

## दिल्ली की वायु गुणवत्ता मध्यम,रविवार को पहुंच सकती है खराब श्रेणी में

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता शनिवार सुबह मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई और तापमान गिरने तथा हवा की गति कम रहने से इसके रविवार को खराब श्रेणी में पहुंचने की संभावना है। एक सरकारी पूर्वानुमान एजेंसी ने यह जानकारी दी है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर 182 दर्ज किया गया, जो कि मध्यम श्रेणी में आता है।

शुक्रवार को वायु गुणवत्ता का औसत 180 रहा। वायु गुणवत्ता सूचकांक 0 से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब और 301 से 400 के बीच श्बहुत खराबश् और 401 से 500 के बीच को गंभीर श्रेणी में माना जाता है। वायु गुणवत्ता एवं मौसम पूर्वानुमान एवं अनुसंधान प्रणाली (सफर) ने बताया है कि रविवार को वायु की गुणवत्ता खराब श्रेणी में पहुंचने की आशंका है।

पंजाब, हरियाणा और दिल्ली की सीमा से लगते पड़ोसी क्षेत्रों में खेतों में पराली जलाने के मामले बढ़े हैं और ऐसे में आने वाले दिनों में इसका असर दिल्ली की वायु गुणवत्ता पर पड़ सकता है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान में भी कमी दर्ज की गई है। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि सामान्य तापमान से दो डिग्री सेल्सियस कम है और बुधवार तक यह 19 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। तापमान कम होने और हवा में ठहराव की वजह से प्रदूषक कण जमीन के निकट ही तैरते रहते हैं, जिससे वायु की गुणवत्ता पर असर पड़ता है।

## देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या एक लाख के पार

### सक्रिय मामले भी बढ़े

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के कारण 1,069 लोगों की मौत के साथ इस महामारी से मरने वालों की संख्या एक लाख के पार पहुंच गयी है तथा इस दौरान महामारी से निजात पाने वालों की संख्या संक्रमण के नये मामलों से कम रहने से सक्रिय मामले 2,779 बढ़ गये। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस की चपेट में आये 1,069 लोगों की मौत से मृतकों की संख्या 1,00,842 हो गयी है। इस दौरान संक्रमण के 79,476 मामले सामने आने संक्रमितों की कुल संख्या 64,73,545 पर पहुंच गयी है वहीं 75,628 लोगों के कोरोना मुक्त होने से स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या

54,27,707 हो गयी है। संक्रमण के नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या कम होने से पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों की संख्या 2,779 बढ़कर 9,44,996 हो गयी है। देश में सक्रिय मामले 14.60 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.56 फीसदी रह गये हैं जबकि, रोगमुक्त होने वालों की दर 83.84 प्रतिशत हो गयी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 1,873 बढ़कर 2,61,313 रह गये हैं जबकि 424 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 37,480 हो गयी है। इस दौरान 13,294 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 11,17,720 हो गयी। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 1,574 की वृद्धि हुई है और राज्य में अब 1,12,005 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 9,119 पर पहुंच गया है तथा अब तक 4,99,506 लोग स्वस्थ हुए हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 961 कम होने से सक्रिय मामले 56,897 रह गये। राज्य में अब तक 5,900 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 6,43,993 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं।

## महिला दुष्कर्म मामले में पुलिस कर्मचारी गिरफ्तार

**नरसिंहपुर, एजेंसी।** मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा तहसील के तहत आने वाले गोटीटोरिया पुलिस चौकी के तत्कालीन प्रभारी मिश्रीलाल कुडोपे को पुलिस ने आज एक दलित महिला के उत्पीड़न की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार रीछई गांव की महिला सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद गोटीटोरिया पुलिस चौकी शिकायत दर्ज कराने गयी थी, लेकिन तत्कालीन चौकी प्रभारी एवं सहायक उप निरीक्षक मिश्रीलाल कुडोपे ने उसकी सुनवायी नहीं की। इस घटना के बाद महिला ने आत्महत्या कर ली और फिर इस मामले ने तूल पकड़ लिया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कल रात इस घटना में सभी दोषियों के खिलाफसख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद चौकी प्रभारी को हटाकर निलंबित कर दिया गया और उसके खिलाफचीचली थाने में प्राथमिकी भी दर्ज की गयी। और आज उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

## विलम्ब से अटल सुरंग की लागत बढ़ी, सैन्य क्षमताओं को रोकने का प्रयास हुआः मोदी

**मनाली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र में वर्ष 2014 तक रही कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुये आज कहा कि देश में सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजनाओं तथा सैन्य क्षमताओं को लेकर न केवल अगम्भीर रवैया अपनाया गया बल्कि इन्हें रोकने का प्रयास किया गया। श्री मोदी ने हिमाचल प्रदेश में मनाली-लेह राजमार्ग पर रोहतांग की पीर पंजाल की पहाड़ियों में निर्मित सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण और सभी मौसम में खुली रहने वाली अटल रोहतांग सुरंग राष्ट्र को समर्पित करने के बाद अपने सम्बोधनों में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने सैन्य क्षमता को रोकने का प्रयास किया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने वर्ष 2002 में इस

सुरंग के सम्पर्क मार्ग का शिलान्यास किया था लेकिन उनके बाद आई केंद्र सरकार ने इस इस काम को लगभग भुला दिया गया और धीमी गति से काम चलता रहा। जिस गति से सुरंग पर काम चल रहा था उससे यह वर्ष 2040 तक पूरी होती। लेकिन उनकी सरकार ने वर्ष 2014 में सत्ता में आने के बाद इस परियोजना को गति दी और इस पर लगभग 3200 करोड़ रूपये की लागत आई है जो परियोजना में विलम्ब के कारण तीन गुना बढ़ गई। अगर संप्रग सरकार होती तो इस परियोहना पर 20 साल और लगते और खर्च कितना होता। प्रधानमंत्री ने कहा कि अटल सुरंग की तरह अन्य परियोजनाओं के साथ भी यही व्यवहार हुआ। लद्दाख में दौलत बेग ओल्डी हवाई पट्टी बनाने में भी राजनीतिक इच्छशक्ति नहीं दिखी। ऐसे सामरिक महत्व के परियोजना को कई सालों तक लम्बित रखा गया। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर और अरुणाचल को जोड़ने वाले पुल का काम भी श्री वाजपेयी के समय शुरू हुआ था। इसे भी लम्बित रखा गया। वर्ष 2014 के बाद उनकी सरकार ने इसे गति दीई। बिहार के कोसी पुल के साथ भी ऐसा ही हुआ जिसे उनकी सरकार ने पूरा कर हाल ही में राष्ट्र को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि हिमालय क्षेत्र में चाहे हिमाचल में अन्य क्षेत्रों में सड़क और पुल समेत जो भी विकास कार्य हुये हैं या चल रहे हैं उनसे आम लोगों के अलावा हमारे सेना को लाभ हो रहा है। देश की सुरक्षा करने वालों का ख्याल रखना सरकार की प्राथमिकता है।

### महागठबंधन ने की सीट की घोषणा

## राजद 144, कांग्रेस 70 और वामदल 29 सीट पर लडेंगे चुनाव

**पटना, एजेंसी।** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नीत महागठबंधन ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए सीटों की घोषणा कर घटक दलों में जारी खींचतान पर आज विराम लगा दिया और अब तालमेल के तहत राजद 144, कांग्रेस 77 और वामदल 29 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

राजद एवं प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव, कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता सदानंद सिंह, कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष अविनाश पांडे समेत अन्य दल के अध्यक्ष एवं नेताओं की उपस्थिति में शनिवार को यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में महागठबंधन ने सीटों की घोषणा कर दी। महागठबंधन में हुए सीटों के तालमेल के तहत राजद को 144, कांग्रेस को 70 और वामदलों को 29 सीटें दी गई हैं।

राजद अपने कोटे से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) को सीट देगा। वहीं वामदलों के खाते में गई 29 सीटों में से 19 सीट पर भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवाद (भाकपा-माले), छह सीट पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और चार सीट पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे।

## मोदी ने किसानों को दिये गुलामी की बेड़ियां तोड़ने वाले कानूनःस्मृति ईरानी

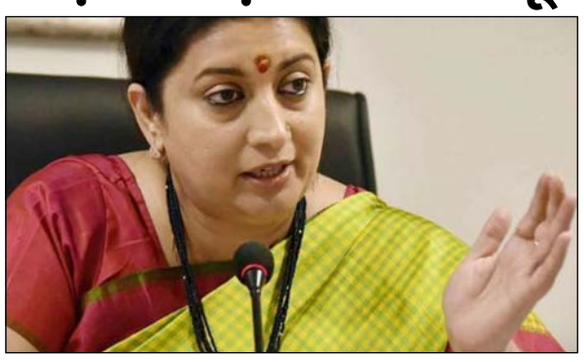

**वाराणसी, एजेंसी।** केंदीय महिला एवं बाल विकास मंत्री और कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि सुधारों से संबंधित कानूनों के रुप में किसानों को उनकी 'गुलामी की बेड़ियां' तोड़ने वाले तोहफे दिये हैं। श्रीमती ईरानी ने कृषि से संबंधित केंद्र सरकार के हाल के इन तीन कानूनों का कांग्रेस के विरोध को 'राजनीतिक स्वार्थ का आक्रोश' करार देते हुए शनिवार को यहां कहा कि विपक्षी दलों के नेताओं को किसानों की 'स्वतंत्रता' एवं 'प्रगित' नहीं देखी जा रही, इसलिए वे सत्ता में रहते हुए जिन कानूनों का कभी समर्थन करते थे, उन्हीं का अब राजनीतिक लाभ के लिए विरोध कर रहे हैं। उन्होंने यहां 'किसान संवाद प्रेस वार्ता' को संबोधित करते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि से संबंधि तीन कानूनों के माध्यम से किसानों की माली हालत सुधारने के लिए ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि यह कार्य भारत के 70 सालों की आजादी में पहली बार हुआ है। अब किसान अपनी मर्जी से अपनी फसल किसी को अपने द्वारा तय भाव पर बेच सकेंगे। श्रीमती ईरानी ने कहा, ÷70 साल के इतिहास में पहली बार किसान को सही मायने में माननीय प्रधानमंत्री ने आजादी दिलाई है। केंद्रीय मंत्री ने नये कानूनों को किसानों की बेड़ियां तोड़ने वाला बाताते हुए कहा, ÷अब देश का किसान देश के किसी भी राज्य या हिस्से में किसी व्यक्ति अथवा संगठन को अपनी उपज बेच सकता है। किसान की फसल खरीदने वालों को तीन दिनों के अंदर फसल का भुगतान करना पड़ेगा। किसान अपनी फसल को बेचने का मूल्य स्वयं निर्धारित करेगा।

## महाराष्ट्र में 87 फीसदी पुलिसकर्मियों ने दी कोरोना को मात

**मुंबई, एजेंसी।** देश में वैश्विक महामारी कोविड-19 से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में कोरोना वायरस राज्य पुलिस के लिए दिनों दिन घातक सिद्ध हो रहा है और पिछले 24 घंटों में 190 और पुलिसकर्मियों के इसकी चपेट में आने के बाद संक्रमितों की संख्या शनिवार को बढ़कर 23,879 हो गयी, लेकिन राहत की बात यह है कि कोरोना को मात देने वाले पुलिसकर्मियों की दर 87 फीसदी को पार कर गयी है। महाराष्ट्र पुलिस की तरफ से जारी आंकड़ों में पिछले 24 घंटों में दो और पुलिसकर्मियों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 250 हो गई है। महाराष्ट्र में वर्तमान में 2,758 पुलिसकर्मी कोरोना से पीड़ित हैं जिनमें 363 अधिकारी शामिल हैं। सभी मरीजों का विभिन्न अस्पतालों एवं कोविड केंद्रों में उपचार किया जा रहा है। कोरोना से अब तक 20,871 पुलिसकर्मी ठीक हो चुके हैं।

## 2 करोड़ तक के कर्ज पर अब ब्याज पर ब्याज से राहत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सरकार की तरफ से हजारों की संख्या में लोगों और एमएसएमई लोन लेने वालों के लिए एक राहत की खबर का ऐलान किया गया है। केंद्र द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर एक हलफनामे में यह सूचित किया गया है कि छह महीने की लोन मोरेटोरियम अवधि के दौरान दो करोड़ रुपये तक के ऋण पर ब्याज पर ब्याज की छूट दी जाएगी। हलफनामे में इस बात का जिक्र किया गया है कि अब चक्रवृद्धि ब्याज पर छूट की भार का वहन सरकार द्वारा किया जाएगा। केंद्र ने कहा, संभावित सभी विकल्पों पर सावधानीपूर्वक विचार किए जाने के बाद सरकार ने छोटे कर्जदारों की मदद करने की परंपरा बनाए रखी है। इन दो करोड़ रुपये तक के ऋणों की श्रेणियों में एमएसएमई ऋण, शैक्षिक, आवास, उपभोक्ता, ऑटो, क्रेडिट कार्ड बकाया, उपभोग, व्यक्तिगत और पेशेवर ऋण शामिल हैं, जिन पर लागू चक्रवृद्धि ब्याज को माफकरने का फैसला लिया गया है।

केंद्र ने कहा कि जमाकर्ताओं पर वित्तीय बोझ और उनकी कुल निवल संपत्ति को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किए बिना बैंकों के लिए चक्रवृद्धि ब्याज पर छूट के बोझ का वहन किया जाना संभव नहीं होगा और ऐसा जनता के हित में भी नहीं होगा। हलफनामे में कहा गया रू सरकार ने फैसला लिया है कि लोन मोरेटोरियम अवधि के दौरान चक्रवृद्धि ब्याज की छूट पर राहत उधारकर्ताओं की सबसे कमजोर श्रेणी तक सीमित होगी। विशेषज्ञों की एक समिति संग विचार-विमर्श करने के बाद केंद्र ने इस ओर अपना रुख बदला है।

## सेहत ठीक पर कुछ दिन अस्पताल में रहेंगे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

**वाशिंगटन, एजेंसी।** कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एहतियातन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुक्रवार को वह सार्वजनिक रूप से सामने आए और मास्क पहनकर वाल्टर रीड सैन्य अस्पताल के लिए रवाना हुए। उन्होंने कहा कि वह ठीक महसूस कर रहे हैं। कुछ दिन वह अस्पताल में ही रहकर सरकारी कामकाज निपटाएंगे। हालांकि प्रथम महिला मेलानिया अभी भी व्हाइट हाउस में ही क्वारंटाइन में रहेंगी। उधर, ट्रंप के निजी चिकित्सक के मुताबिक राष्ट्रपति थके हुए हैं, लेकिन उनकी हालत पूरी तरह से ठीक है। गुरुवार को राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। जिसके बाद दोनों व्हाइट हाउस में क्वारंटाइन हो गए थे। राष्ट्रपति के चिकित्सक सीन कॉनले ने व्हाइट हाउस

द्वारा जारी एक मेमो में कहा कि प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप को हल्की खांसी और सिरदर्द है, लेकिन उनकी हालत पूरी तरह से ठीक है। देश के प्रथम परिवार के अन्य लोगों का भी टेस्ट कराया गया है, लेकिन उनकी रिपोर्ट निगेटिव आई है। व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मीडोज ने संवाददाताओं को बताया कि आज (शुक्रवार) सुबह राष्ट्रपति से कई बार बात हुई। राष्ट्रपति की हालत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आज उन्होंने मुझसे सबसे पहला सवाल यही किया कि अर्थव्यवस्था कैसी है। संसद में आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज पर बहस के बारे में भी पूछा।

### गैंगरेप केस में हंगामे का तीसरा दिन

## पीड़ित परिवार से बंद कमरे में करीब 50 मिनट तक चली राहुल-प्रियंका की मुलाकात

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** हाथरस गैंगरेप पीड़ित के परिवार से मिलने जा रहीं प्रियंका गांधी से पुलिस ने बदतमीजी की और एक पुलिसवाले ने उनका कुर्ता खींचा। हाथरस में प्रियंका और राहुल शनिवार शाम को पहुंचे। यहां करीब 50 मिनट तक बंद कमरे में पीड़ित परिवार से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा कि हम इस परिवार के साथ खड़े हैं। यूपी सरकार इस परिवार को सुरक्षा देने में फेल हो गई। यह सरकार की जिम्मेदारी थी। प्रियंका ने कहा कि जब तक इस परिवार को न्याय नहीं मिलता, हमें ना वो (यूपी सरकार) रोक सकते हैं और ना हम रुकेंगे। इस बीच योगी सरकार

ने इस मामले की सीबीआई जांच के आदेश दे दिए हैं। राहुल-प्रियंका के साथ कांग्रेस के 35 सांसद जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें दिल्ली-नोएडा फ्लाइ वे (नोएडा बॉर्डर) पर रोक दिया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हंगामा शुरू कर दिया। बातचीत के बाद पुलिस ने राहुल और प्रियंका को जाने की इजाजत दे दी। इसके बावजूद कांग्रेस समर्थक हंगामा करते रहे, तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। हाथरस के लिए रवाना होने से पहले राहुल ने ट्वीट किया था, दुनिया की कोई ताकत मुझे पीड़ित परिवार से मिलने से नहीं रोक सकती। प्रियंका ने कहा था कि अगर इस बार भी नहीं जाने दिया तो हम फिर कोशिश करेंगे। इससे पहले गुरुवार को राहुल और प्रियंका को हाथरस जाते वक्त ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर रोक दिया गया था। दोनों को यूपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनसे कहा कि आपने धारा 188 का वॉयलेशन किया है। पुलिस ने राहुल की कॉलर भी पकड़ी थी। धक्कामुक्की में वे नीचे गिर गए, और हाथ में चोट लग गई। राहुल और प्रियंका को 4 घंटे हिरासत में रखने के बाद छोड़ा गया। हाथरस जिले में धारा 144 लागू है, सीमाएं सील हैं। सरकार ने हाथरस की घटना से जुड़े थाने के पुलिसकर्मियों और आरोपियों के साथ ही पीड़ित परिवार के लोगों का भी नार्को टेस्ट कराने का फैसला किया है। हाथरस जिले के चंदपा इलाके के बुलगढ़ी गांव में 14 सितंबर को 4 लोगों ने 19 साल की युवती से गैंगरेप किया था। आरोपियों ने युवती की रीढ़ की हड्डी तोड़ दी और उसकी जीभ भी काट दी थी। दिल्ली में इलाज के दौरान पीड़ित की मौत हो गई। चारों आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। हालांकि, पुलिस का दावा है कि दुष्कर्म नहीं हुआ था।

## छात्र नेता का निस्काशन वापस लें डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पूर्नवास विश्वविद्यालय

**लखनऊ, संवाददाता।** आज यह लाया गया है कि शरद यादव (इकाई अध्यक्ष समाजवादी छात्रसभा) को डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पूर्नवास विश्वविद्यालय द्वारा 25-09-2020 को निस्काशित कर दिया गया है। यह जानकर बहुत ताजुब हुआ कि बिना किसी सूचना व स्पष्टिकरण के आकारण ही एक छात्र को निस्काशित कर दिया गया। शरद यादव द्वारा यह भी बताया गया कि मोजूदा कुलानुशासक वी0के सिंह की मौजूदगी में दिनांक 29-06-2020 को जब शरद यादव कुलपति से मिलकर छात्रों की फीस माफी के सम्बन्ध में ज्ञापन देने पहुँचे तो कुलपति ने मिलने से मना कर दिया जिस कारण निवेदन करने पर कुलानुशासक के सदस्य बृजेश रावत द्वारा काफी अभर्द्रता की गई, जाति सूचक शब्दों का प्रयोग व समाजवादी पार्टी के लिए अपशब्द भी कहे गये, जोकि बहुत निन्दनीय है व यह सवाल भी उठाता है कि जब इस घृणित मानसिकता के व्यक्ति विश्वविद्यालय के जिम्मेदार पदों पर होंगे तो किस तरह की शिक्षा विश्वविद्यालय में मिलेगी।

# केंद्रीय मंत्री आठवले ने हाथरस के डीएम की भूमिका पर उठाया सवाल

## जबरिया अंतिम संस्कार पर आपत्ति

**लखनऊ, संवाददाता।** केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने प्रदेश के हाथरस कांड को महाभयंकर घटना बताया है। लखनऊ में केंद्रीय मंत्री आठवले ने शनिवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात भी की।

केंद्रीय मंत्री आठवले ने राज्यपाल से मुलाकात के बाद योजना भवन में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हाथरस की घटना में बेहद गंभीर घटना है। इसमें उत्तर प्रदेश सरकार जांच करा रही है। इस घटना में सरकार को पीड़ित परिवार की बजाए विपक्षी दलों का नार्को टेस्ट कराना चाहिए। आठवले ने कहा कि दलित अत्याचार पर राजनीति नहीं होना चाहिए। यह कहना गलत है कि सिर्फ योगी आदित्यनाथ की सरकार में ही दलितों पर अत्याचार हो रहे हैं। दलित उत्पीड़न पर राजनीति नही होनी चाहिए। सबकी सरकार में दलित अत्याचार हुए। इससे पहले उत्तर प्रदेश में मायावती, अखिलेश यादव और मुलायम सिंह की सरकार में भी अत्याचार होते थे। उन्होंने कहा कि मायावती इस मुद्दे पर बेहद घटिया राजनीति कर रही हैं। उन्हें सीएम योगी आदित्यनाथ से इस्तीफे की मांग करने का कोई अधिकार नहीं है। आठवले ने कहा कि जब तक हमारे समाज में जातिवाद है, तब तक दलितों के साथ अत्याचार होता रहेगा। उन्होंने कहा कि अंतरजातीय विवाह से समाज में बदलाव आएगा। केंद्रीय मंत्री ने हाथरस के इस कांड में जिलाधिकारी प्रवीण कुमार की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि किसी की भी बालिका या किसी का भी जबरन अंतिम संस्कार गलत है। यह बेहद गंभीर बात है। उन्होंने जिलाधिकारी के खिलाफ की कठोर कारवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस मामले में चारों आरोपितों को फांसी होनी चाहिए। हाथरस की घटना मानवता पर एक धब्बा है। इस मामले में पीड़ित परिवार को न्याय दिया जाना चाहिए। रामदास आठवले ने कहा कि हाथरस की घटना गंभीर घटना है।

कल मैं हाथरस जाने वाला था लेकिन प्रशासन की तरफ से बताया गया कि अभी मिलने नही दिया जा रहा। आठवले ने हाथरस की घटना को लेकर राहुल का साधा निशाना। राहुल गांधी हाथरस के लिए आए, लेकिन राजस्थान नही गए। राजस्थान में उनकी सरकार है। राहुल को अगर पुलिस ने रोका था तो रुकना चाहिए। उन्होंने पुलिस से धक्का मुक्की की, जिससे वह गिरे, उन्हें पुलिस ने नहीं गिराया।

## डीएम हाथरस के निलंबन हेतु हस्तक्षेप करे आईपीएस एसोसियेशन

**लखनऊ, संवाददाता।** आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर ने यूपी आईपीएस एसोसियेशन को हाथरस में एसपी विक्रांत वीर व पुलिस अफसरों के निलंबन के क्रम में डीएम हाथरस प्रवीण कुमार लक्षकार को निलंबित किये जाने हेतु हस्तक्षेप किये जाने की मांग की है। यूपी एसोसियेशन तथा सेंट्रल आईपीएस एसोसियेशन को भेजे पत्र में अमिताभ ने कहा कि पुलिस अफसरों पर कार्यवाही अपेक्षित थी, किन्तु साथ ही इस मामले में डीएम हाथरस के खिलाफभी अत्यंत प्रतिकूल तथ्य मीडिया व सोशल मीडिया से सामने आ रहे हैं, जिसमे उनके द्वारा व्यक्तिगत रूप से पीडिता के परिवार को धमकी देने जैसे गंभीर आरोप तक शामिल हैं। उन्होंने आईपीएस एसोसियेशन को इन तथ्यों को शासन को अवगत कराते हुए विभिन्न सेवाओं में समानता एवं न्याय के सिद्धांत के अनुसार इस प्रकरण में मौजूदा डीएम हाथरस के विरुद्ध भी निलंबन सहित अन्य समतुल्य कार्यवाही किये जाने हेतु पत्राचार करने का अनुरोध किया है।

## हाथरस नार्को टेस्ट निर्णय सुप्रीम कोर्ट आदेश के विरुद्ध, असंवैधानिक

**लखनऊ, संवाददाता।** एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने हाथरस रेप केस में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पीडिता के परिवार सहित सभी स्टेकहोल्डर पर नार्को या पॉलीग्राफटेस्ट कराये जाने के आदेश को पूरी तरह अवैधानिक बताया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सेल्वी एवं अन्य बनाम कर्नाटक राज्य में यह आदेश दिया था कि किसी भी व्यक्ति को जबरदस्ती इनमे से किसी भी तकनीकी से गुजरने को बाध्य नहीं किया जायेगा, चाहे वह आपराधिक मुकदमा हो या कोई अन्य मामला. किसी व्यक्ति की सहमति के बिना ऐसे टेस्ट कराना उस व्यक्ति की निजता के मौलिक अधिकार का हनन होगा. मात्र संबंधित व्यक्ति की स्वैच्छिक सहमति से यह टेस्ट करवाया जा सकता है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी इस संबंध में विस्तृत निर्देश जारी किये हैं। इस स्पष्ट विधिक व्यवस्था के बाद भी एकतरफा इस प्रकार के आदेश देने से साफदिखता है कि राज्य सरकार कानून के परे काम कर रही है और सरकार में बैठे लोगों का देश की संवैधानिक व्यवस्था में कोई विश्वास नहीं है। यह स्थिति दुभाग्यपूर्ण है, वे उस तथ्य को इस प्रकरण में लंबित जनहित याचिका में इलाहाबाद हाई कोर्ट के सामने रखेंगी।

## हाथरस की घटना के विरोध में विधानसभा के सामने कचरा कर जमकर प्रदर्शन

**लखनऊ, संवाददाता।** प्रदेश की बेटियों के प्रति हो रहे दुराचार से पूरा देश रोष में है। महिलाओं पर हो रही हैवानियत रुकने का नाम नहीं ले रही और हैवान अभी तक आजाद हैं। हाथरस कांड के खिलाफ शहर-शहर गुस्सा सड़कों पर दिखाई दे रहा है। हाथरस से लेकर कोलकाता और मुरादाबाद से कानपुर और अब लखनऊ तक लोगों ने इस वारदात के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और योगी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। साथ ही हत्यारों और दुराचारों के फांसी देने की मांग की है। हाथरस घटना, बलरामपुर रेप केस आदि ने महिलाओं का जीना मुश्किल कर दिया है। ऐसे में देश के हर व्यक्ति आक्रोशित है। हाथरस की घटना के विरोध में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने विधानसभा के सामने कूड़ा फैला कर प्रदर्शन किया। शनिवार सुबह करीब 5 बजे ही भीम आर्मी जिलाध्यक्ष अनिकेत धानुक और उसके साथी विधानसभा के सामने पहुंच कर 'बहनों के हत्यारों को फांसी दो' के नारे लगा कर प्रदर्शन किया।

## हाथरस पीड़िता की लड़ाई न लड़ सकूं, इसलिये नजरबंद किया गया है: लल्लू

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने शनिवार को कहा कि हाथरस में कथित सामूहिक बलात्कार पीड़िता की लड़ाई लड़ने से रोकने के लिये उन्हें घर में नजरबंद किया गया है। लल्लू ने कहा, ''मैं अपने घर में नजरबंद हूं, मेरे साथ ऐसा बर्ताव किया जा रहा है जैसा अपराधी के साथ होता है। ऐसा केवल मुझे हाथरस जाने से रोकने के लिये किया गया है ताकि मैं कथित सामूहिक बलात्कार पीड़िता की लड़ाई न लड़ सकूं। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि सरकार कितनी डरी हुई है। क्या पीड़िता को इंसाफ दिलाने के लिए लड़ना या उसके परिवार से मिलना गलत है? उन्होंने बताया, ''पुलिस देर रात डेढ़ बजे के करीब मेरे घर आई और दरवाजा खटखटाया। मैंने पूछा क्या मामला है तब उन्होंने मुझे हजरतगंज थाने में दर्ज मेरे खिलाफ एक मामले का नोटिस थमा दिया। लल्लू ने कहा, ''आज सुबह मैंने देखा कि मेरे दरवाजे पर पुलिसकर्मी खड़े हैं और उन्होंने मुझे सुबह टहलने जाने से रोका और बताया कि मैं नजरबंद हूं। मेरे घर के बाहर पुलिस तैनात कर दी गयी है। इससे पहले पार्टी के प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने बताया कि उप्र कांग्रेस अध्यक्ष लल्लू को उनके राजधानी स्थित घर पर नजरबंद कर दिया गया है और उन्हें बाहर निकलने की इजाजत नहीं है। उन्होंने बताया कि ऐसा इसलिये किया गया है ताकि लल्लू पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के प्रस्तावित हाथरस दौरे में शामिल न होने पायें। उप्र कांग्रेस पार्टी ने एक ट्वीट में प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू, कई जिलाध्यक्षों व 500 से अधिक कार्यकर्ताओं को घर पर नजरबंद किये जाने का दावा किया।

## प्रदर्शन में जेल गए सपा कार्यकर्ता रिहा, प्रदेश कार्यालय पर जोरदार स्वागत

**लखनऊ, संवाददाता।** हाथरस कांड के विरोध में लखनऊ में हुए प्रदर्शन के दौरान जेल भेजे गए सभी 15 सपाइयों को शनिवार दोपहर अस्थायी जेल से रिहा कर दिया गया। गुरुवार को हजरतगंज स्थित जीपीओ के सामने सपा के कार्यकर्ताओं ने हाथरस घटना के विरोध में प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन की अगुवाई करने वाले मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष अनीस रजा, युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गिरी, छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह देव, महानगर नगर अध्यक्ष यूथ ब्रिगेड अजय यादव, पवन सरोज (नगर अध्यक्ष अनूसूचित जनजाति) राजेंद्र पांडेय (महानगर अध्यक्ष लोहिया वाहिनी) के अलावा विवेक सिंह, रॉबिन सिंह यादव, रवि प्रकाश यादव, अभिनव श्रीवास्तव,नितेंद्र सिंह, शैलेश यादव, तुषार त्रिपाठी, राकेश चौधरी व प्रदीप सिंह पानु को हजरतगंज पुलिस ने गुरुवार हिरासत में लेकर फैजाबाद रोड स्थित अस्थायी जेल भेजा था।

## पत्रकारों को मिलने वाली सुविधाओं से मान्यता प्राप्त की बाध्यता हटे

### पत्रकारों के निधन पर आर्थिक सहायता बढ़ाने परिजनों को स्वास्थ्य सुविधा दी जाए

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लंबे अरसे बाद प्रदेश के पत्रकारों की सुध ली है। पिछले दिनों उन्होंने प्रदेश के पत्रकारों के लिए 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा और कोरोना से किसी पत्रकार की मृत्यु होने पर उसके परिजनों को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। परंतु लंबे समय से पत्रकारों के लिए सुविधाओं की मांग कर रहे आईएफडब्ल्यूजे व यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन ने कई बार मुख्यमंत्री सहित अपर मुख्य सचिव सूचना को मांग पत्र देती रही है। लखनऊ वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के मंडल अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश राज्य मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के सचिव शिवशरन सिंह ने कहा कि अभी हमारी मांगे पूरी नही हुई है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा दी गयी सुविधाओं में मान्यता प्राप्त की बाध्यता खत्म किए जाने की मांग दोहराई। इसके साथ ही पत्रकारों और उनके परिजनों की पीजीआई, डॉ0 राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट, केजीएमसी सहित अन्य संस्थानों में निःशुल्क इलाज और 60 साल के बाद पत्रकारों को पेंशन देने जिसमें भी मान्यता प्राप्त पत्रकार की कोई बाध्यता न रखी जाए, जैसी मांगों को लेकर एक पत्र अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल को सौंपा। शिव शरन सिंह ने कहा कि उनका संगठन इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट उत्तर प्रदेश वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन व लखनऊ वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन देश व् प्रदेश में पत्रकारों के हितों की लंबे अरसे से लड़ाई लड़ रहा हैं। शिव शरन सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारी मांग पर उत्तर प्रदेश के पत्रकारों को 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा देने और कोरोना से मृत्यु होने पर पत्रकार के परिजनों को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

## पीड़िता के परिजनों को हर हाल में न्याय मिलना चाहिए सीबीआई जांच की सिफारिश करें योगी: अनुप्रिया

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश में हैवानियत की शिकार पीड़िता को न्याय दिलाने के लिये अपना दल (एस) अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने योगी सरकार से अपील की है कि वह मामले की सच्चाई सामने लाने के लिये सीबीआई जांच की अनुशंसा करें।श्रीमती पटेल ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि हाथरस कांड में पीड़िता के परिजनों को हर हाल में न्याय मिलना चाहिए। योगी सरकार द्वारा हाथरस के पुलिस अधीक्षक समेत पांच अधिकारियों को निलंबित करने का फैसला स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़िता के परिजनों को हर हाल में न्याय का भरोसा दिया है। दोषियों को भविष्य में मिसाल बनने वाली सजा सुनिश्चित करने का संकल्प व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी स्वयं कड़ी कार्यवाही का निर्देश दिया है। अपना दल नेता ने कहा कि हालांकि पूरे मामले में लोगों की ओर से कई आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। ऐसे में इस पूरे मामले की सच्चाई सामने लाने और दूध का दूध और पानी का पानी करने के लिए राज्य सरकार को सीबीआई जांच की अनुशंसा करनी चाहिए। इससे सीबीआई जांच की मांग करने वाले पीड़ित पक्ष में भी न्याय होने का भरोसा जगेगा।

## उप्र कांग्रेस अध्यक्ष लल्लू को घर में नजरबंद किया गया

**लखनऊ, संवाददाता।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी के शनिवार को हाथरस के संभावित दौरे के मद्देनजर पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को उनके घर पर नजरबंद किया गया है। यह दावा प्रदेश कांग्रेस ने किया है। कांग्रेस प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष लल्लू को उनके राजधानी स्थित घर पर नजरबंद कर दिया गया है और उन्हें बाहर निकलने की इजाजत नहीं है। अवस्थी ने कहा कि ऐसा इसलिए किया गया है कि लल्लू कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के प्रस्तावित हाथरस दौरे में शामिल न हो पायें। लल्लू के घर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात है। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई ने एक ट्वीट में कहा, #हमारे प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू जी, हमारे जिलाध्यक्षों व 500 से अधिक कार्यकर्ताओं को घर पर नजरबंद कर दिया गया है। योगी जी न्याय की लड़ाई लड़ने वालों पर रोक मत लगाइए।

## विस के सामने भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने कूड़ा डालकर किया प्रदर्शन

**लखनऊ, संवाददाता।** हाथरस और बलरामपुर कांड को लेकर प्रदेश भर में आक्रोश है। इसी कड़ी में शनिवार को हाथरस की घटना को लेकर राजधानी स्थित विधान भवन के सामने भीम आर्मी के लखनऊ जिलाध्यक्ष अनिकेश और पार्टी के कार्यकर्ता अरविंद ने कूड़ा डालकर प्रदर्शन किया। विधानभवन के सामने दो दोपहिया वाहन पर कूड़े से भरी बोरियां लेकर पहुंचे और नारेबजी करने लगे। मौके पर मौजूद हजरतगंज

**दो गिरफ्तार**

थाने की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर हजरतगंज अंजनी कुमार पांडेय ने बताया कि प्रदर्शन में सिर्फ दो ही लोग शामिल थे, जिन्हें तुरंत पकड़ लिया गया था। 151 धारा के तहत दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं, हाथरस में मासूम के साथ हुई दरिंदगी के बाद मौत मामले को लेकर पूरी राजधानी में अलर्ट है। पुलिस चप्पे-चप्पे पर गश्त में लगी है। संदिग्धों से पूछताछ का सिलसिला भी जारी है।

## हाथरस की पीड़िता को न्याय दिलाने में राष्ट्रपति करें मदद: मायावती

**लखनऊ, संवाददाता।** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने हाथरस में सामूहिक बलात्कार कांड की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की है और राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिये हस्तक्षेप की अपील की है। सुश्री मायावती ने शनिवार को ट्वीट किया हाथरस जघन्य गैंगरेप काण्ड को लेकर पूरे देश में जबरदस्त आक्रोश है। इसकी शुरूआती आई जाँच रिपोर्ट से जनता सन्तुष्ट नहीं लगती है। अतः इस मामले की सीबीआई से या फिर माननीय सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जाँच होनी चाहिये, बसपा की यह माँग है।÷ उन्होने कहा ÷ देश के माननीय राष्ट्रपति यूपी से आते हैं व एक दलित होने के नाते भी इस प्रकरण में खघसकर सरकार के अमानवीय रवैये को ध्यान में रखकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिये दखल देने की भी उनसे पुरजोर अपील। गौरतलब है कि हाथरस में हैवानियत की शिकार पीड़िता की मौत के बाद विपक्ष खासतौर पर कांग्रेस,समाजवादी पार्टी (सपा) और आम आदमी पार्टी (आप) सड़कों पर है। बसपा सुप्रीमो अपने बयानो के जरिये हाथरस की घटना पर क्षोभ व्यक्त करती रही हैं।

## कैनडा की विंडसर यूनिवर्सिटी में अजमल हुसैन का चयन

**लखनऊ, संवाददाता।** सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम (प्रथम कैम्पस) के मेधावी छात्र अजमल हुसैन ने उच्च शिक्षा हेतु कैनडा के विंडसर विश्वविद्यालय में चयनित होकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। अजमल ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता के दम पर यह उपलब्धि अर्जित की है एवं अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों व सी.एम.एस. के वातावरण को दिया है। सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि इस वर्ष अभी तक सी.एम.एस. के 89 छात्रों ने अमेरिका, इंग्लैण्ड, कैनडा, आस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, जर्मनी आदि विभिन्न देशों के ख्यातिप्राप्त विश्वविद्यालयों में चयनित होकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जिनमें से अधिकतर को स्कॉलरशिप प्राप्त हुई है। श्री शर्मा ने आगे कहा कि सी.एम.एस. छात्रों के दृष्टिकोण व्यापक बनाने व उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु सदैव प्रयासरत है।

## हाथरस पीड़िता के परिजनों के साथ पुलिस का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं: प्रियंका गांधी

**लखनऊ, संवाददाता।** कांग्रेस की उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने हाथरस की पीड़ित युवती के परिजनों के साथ पुलिस के व्यवहार की आलोचना करते हुए कहा है कि उन्हें धमकाया तथा डराया जा रहा है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। गांधी ने कहा, उस प्यारी बच्ची और उसके परिवार के साथ उत्तर प्रदेश सरकार और उसकी पुलिस द्वारा किया जा रहा व्यवहार मुझे स्वीकार नहीं। किसी भी हिन्दुस्तानी को ये स्वीकार नहीं करना चाहिए। वाड्रा ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि, उत्तर प्रदेश सरकार नैतिक रूप से भ्रष्ट है। पीड़िता को इलाज नहीं मिला, समय पर शिकायत नहीं लिखी, शव को जबरदस्ती जलाया, परिवार कैद में है, उन्हें दबाया जा रहा है। अब उन्हें धमकी दी जा रही कि नार्को टेस्ट होगा। ये व्यवहार देश को मँजूर नहीं। पीड़िता के परिवार को धमकाना बंद कीजिए।

## निजीकरण के विरोध में बिजलीकर्मियों ने प्रदर्शन किया

**लखनऊ, संवाददाता।** निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मचारियों ने शनिवार को शक्ति भवन पर प्रदर्शन किया। इस मौके पर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि निजी कंपनी अधिक राजस्व वाले वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्राथमिकता पर बिजली देगी। जैसे ग्रेटर नोएडा और आगरा में हो रहा है। निजी कंपनी लागत से कम मूल्य पर किसी उपभोक्ता को बिजली नहीं देगी। अभी किसानों, गरीबी रेखा के नीचे और 500 यूनिट प्रति माह बिजली खर्च करने वाले उपभोक्ताओं को पॉवर कारपोरेशन घाटा उठाकर बिजली देता है। जिसके चलते इन उपभोक्ताओं को लागत से कम मूल्य पर बिजली मिल रही है। निजीकरण के बाद स्वाभाविक तौर पर इन उपभोक्ताओं के लिए बिजली महंगी होगी।

## योगी ने वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर तथा मेरठ की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं बेहतर करने का निर्देश दिया

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एल-3 कोविड अस्पतालों में एसजीपीजीआई से तथा एल-2 कोविड चिकित्सालयों में के0जी0एम0यू0 से वर्चुअल आई0सी0यू0 का संचालन किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से अधिक से अधिक मरीज लाभान्वित किए जा सकेंगे।

मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देशित किया कि जनपद वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर तथा मेरठ की विशेष निगरानी करते हुए इन जिलों की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को बेहतर किया जाए। उन्होंने कहा कि अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य तथा अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा कम रिकवरी दर वाले जनपदों के जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा जिला चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज के प्रमुख से नियमित संवाद बनाकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। कोविड-19 की टेस्टिंग में वृद्धि करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच की संख्या बढ़ाने के लिए आवश्यक है कि कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग में भी वृद्धि की जाए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के दृष्टिगत पैरामेडिक्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम सतत रूप से संचालित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कोविड चिकित्सालयों की व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कोविड अस्पतालों में दवाई व ऑक्सीजन की बैकअप सहित पर्याप्त व्यवस्था हो। चिकित्सालयों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। बायो-मेडिकल वेस्ट का निस्तारण मानकों के अनुरूप किया जाए। चिकित्सकों द्वारा कोविड अस्पतालों में थोड़े समय के अन्तराल पर राउण्ड लिया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि एम्बुलेंस सेवा पूरी सक्रियता से संचालित हो। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव आर0के0 तिवारी, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव एम0एस0एम0ई0 एवं सूचना नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा डॉ0 रजनीश दुबे, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस0पी0 गोयल, अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आलोक कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव पशुपालन श्री भुवनेश कुमार, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य आलोक कुमार, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## चार अक्टूबर को हाथरस जाएंगे अखिलेश यादव, पीड़ित परिवार से करेंगे मुलाकात

**लखनऊ, संवाददाता।** हाथरस कांड पर मचा सियासी घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पीड़िता के परिवार से मिलने जाएंगे। वह 4 अक्टूबर को विदेश (लंदन) से लौटते ही दिल्ली से सीधे पीड़िता के गांव हाथरस पहुंचेंगे। बता दें हाथरस कांड को लेकर समाजवादी पार्टी लगातार आंदोलित है और लखनऊ में ताबड़तोड़ प्रदर्शनों का दौर जारी है। गांधी जयंती के अवसर पर सपा के सभी प्रमुख नेताओं ने पीड़िता के लिए इंसाफ, बदहाल कानून व्यवस्था, बेकारी, मंहगाई के मुद्दे पर दो घंटे मौन व्रत रखा। इस दौरान लखनऊ में शांति मार्च और सत्याग्रह किया गया। कई जगह पुलिस ने लाठीचार्ज कर नेता प्रतिपक्ष समेत सपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। गौरतलब है कि हाथरस के चंदपा थाना क्षेत्र के एक गांव में बीते 14 सितंबर को मां के साथ खेत में मवेशियों के लिए चारा लाने गई 19 वर्षीय दलित युवती के साथ हैवानियत हुई थी। इस वारदात का आरोप गांव के ही चार युवकों पर लगा है, ये सभी पुलिस की गिरफ्त में हैं।

# मौत की दावत दे रही नदी की जर्जर पुलिया

## हादसे का दे रही संकेत, विभाग मौन

**लालापुर, प्रयागराज।** सरकार ने पिछले वर्ष संकीर्ण व जर्जर पुलिया को तत्काल बनाने के लिये बिभाग को निर्देश दिया था, जिस पर कई पुलिया का मरम्मती करण तो हुआ ही कई पुलिया का नवनिर्माण भी हुआ।लेकिन दुर्भाग्य ही कहा जाय कि इस पुलिया को सम्बंधित अधिकारी देखना वाजिब नही समझे, सायद देख लिया होता तो आज कब की इस जगह नई पुलिया बन गई होती।जर्जर सड़क की पुलिया से भारी लोड वाहन का निरन्तर आवागवन बना रहता है,जिससे कभी भी हो सकता है बहुत बड़ा हादसा। विभाग एक दम से चुप्पी साध कर दो साल से बैठा है।प्रतापपुर से घूरपुर सड़क प्रधानमंत्री सड़क घूरपुर से प्रतापपुर के बीच 17 वे किलोमीटर पर मौजा इछौरा झगरा बरिया नदी की पुलिया है ।जो तीन साल पहले ऊपर से टूट गई थी,विभाग को सूचित किया गया,विभाग के अधिकारी आए दोनों तरफ से केवल बाइक निकलने की जगह छोड़ कर पूरे सड़क में पत्थर की दीवाल 4 फिट की खड़ी करके चले गये, अपना नुकसान देखकर बालू खनन पट्टे धारक ने उस पुलिया को मरम्मत करवाए, उसके बाद दीवाल को तोड़कर वाहनो का आना जाना सुरु हो गया,भारी भार वाले वाहन लगातार गुजरने से पुलिया छतिग्रस्त होती जा रही है।समय रहते अगर इस पुलिया का मरम्मती करण नही कराया गया तो,एक न एक दिन बहुत बड़ा हादसा हो जाएगा,जिसका इन्तिजार शायद पुलिया विभाग कर रहा है।वही क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता दुर्गेश नारायण, त्रिपाठी, दादू तिवारी,रंजन प्रजापति का कहना है कि तीन साल से पुलिया जर्जर हो चुकी है जिसपर भार वाले वाहन गुजरने की वजह से किसी दिन पूरी पुलिया छति ग्रस्त हो जायेगी,जिससे सड़क मार्ग अवरुद्ध हो जायेगा, इसकी शिकायत पूर्व में कई बार आई,जी,आर,एस,के द्वारा की गयी लेकिन निस्तारण आज तक नही हुआ।

## गुरुआ मे अरजक बिधी से मनाई गई पुनिया देवी की शोक-सभा

**गुरुआ, गया।** प्रखंड के सिमारु पंचायत के सिमारु गांव मे युगल किशोर मांझी के माता पुनिया देवी की शोक सभा का आयोजन किया गया. जिसकी अध्यक्षता ललन पासवान ने किया जबकी इसका संचालन अमरेनद्र दास ने किया.इस अरजक शोक-सभा मे अपने बिचार धारा स्व.पुनिया देवी की शोक-सभा का आयोजन कर पुष्पांजलि अर्जित कर श्रद्धांजलि दी गई.वही इस बैठक मे उपस्थित रहे मुख्य अतिथी स्व. अरजक ने समबोधन मे बताया की पहले जानो तब मानो के सही रास्ते पर चलना चाहीये.उन्होने यह भी बताया कि बाबा साहब के कथनो पर चलने वालो को कभी हार नही होती है.इसलिये महापुरुषो को बताये रास्ते व बिधी से चलनी चाहिए.एसा करने से न तो उनके जिवन मे दिकत होती है और नही अति आवश्यक बेवजह खर्च उठानी पड़ती है.इसलिये कोई भी काम महापुरुषो के बताये बिधी से करने से व्यकती की मनोकामना पुर्ण होती है.इस बैठक मे उपस्थित अमरेनद्र दास,ललन पासवान,स्व.बिरेनद्र अरजक,वसपा विधानसभा उपाध्यझ सह मग्ध टिवी चैनल रिपोर्टर अनिल कुमार पासवान,दलित व पासवानो के वरिष्ट नेता नगीना पासवान समेत कई अन्य लोग मौजुद थे।

# पत्नी व बेटे के डबल मर्डर केस में कातिल बाप गिरफ्तार

## आला कत्ल कुल्हाड़ी भी बरामद

**कोरांव/प्रयागराज।** कोरांव थाना क्षेत्र के बीते माह बड़ोखरा गांव में पत्नी व पुत्रो के चर्चित डबल मर्डर केस के मामले में मु स 458/20 पंजीकृत धारा 307,302 का फरार आरोपी पिता को आला कत्ल कुल्हाड़ी के साथ गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक चन्द्र भान सिंह ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देशन में आरोपी कातिल पुष्पराज सिंह पुत्र फतेह बहादुर सिंह निवासी बड़ोखरा को रात्योंरा मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि गत माह की 17 तारीख को पुष्पराज ने अपने घर पर कुल्हाड़ी से अपनी पत्नी सुनीता व दो पुत्रों राज 10 व रतन 7 पर जान लेवा हमला बोल दिया जिससे मौके पर ही सुनीता व राज की मौके पर मौत हो गई। बुरी तरह से जख्मी रतन का इलाज अभी भी जिला अस्पताल में चल रहा है। पकड़े गए कातिल की निशान देही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली गई है। गिरफ्तार करने वाली टीम में लकी यादव राहुल ओझा अमर सिंह सिध्देश्वर पांडेय आदि लोग शामिल रहे।

# कांग्रेस के संघर्ष के आगे झुकी योगी सरकार, राहुल-प्रियंका सहित पांच नेताओं को मिली हाथरस जाने की अनुमति

**लखनऊ।** हाथरस की दलित बेटी को न्याय दिलाने व पीड़ित परिजनों से मिलने जा रहे पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष श्री राहुल गांधी जी, श्रीमती प्रियंका गांधी जी, कांग्रेस सांसदों व वरिष्ठ नेताओं सहित हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को डीएनडी टोल प्लाजा पर रोकने व व्यापक जनसमूह द्वारा दबाव बनाये जाने से प्रदेश की योगी सरकार को अन्ततोगत्वा झुकना पड़ा और श्री राहुल गांधी जी, श्रीमती प्रियंका गांधी जी सहित पांच नेताओं को हाथरस जाने व पीड़ित परिवार से मिलने की अनुमति प्रदान करनी पड़ी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष श्री राहुल गांधी जी ने ट्वीट करके प्रदेश सरकार को चेताते हुए कहा कि - दुनिया की कोई ताकत मुझे हाथरस के इस दुखी परिवार से मिलकर उनका दर्द बांटने से नहीं रोक सकती। वहीं कांग्रेस महासचिव एवं यूपी प्रभारी श्रीमती प्रियंका गांधी जी ने पीड़ित परिवार से मिलने से पहले अपने ट्वीट हैंडिल पर लिखा कि - यूपी सरकार नैतिक रूप से भ्रष्ट है पीड़ित को इलाज नहीं मिला, समय पर शिकायत नहीं लिखी, शव को जबर्दस्ती जलाया, परिवार कैद में है, उन्हें दबाया जा रहा है-अब उन्हें धमकी दी जा रही है कि नार्को टेस्ट होगा। ये व्यवहार देश को मंजूर नहीं। पीड़िता के परिवार को धमकाना बन्द कीजिए। उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी ने कल देर रात प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू की घर पर योगी सरकार द्वारा किये गये असंवैधानिक नजरबंदी की घोर भर्त्सना की है और योगी आदित्यनाथ पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि उ0प्र0 में लोकतंत्र और संवैधानिक प्रक्रियाओं की की खुलेआम हत्या हो रही है। आज दलितों, पिछड़ों और मुसलमानों सहित सभी वर्गों की आवाजों को योगीराज में दबाया जा रहा है, उनका उत्पीड़न हो रहा है। उनके ऊपर बर्बर लाठीचार्ज करके गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होने कहा कि उ0प्र0 में दलित बिटिया के साथ गैंगरेप और हत्या की घटना ने मानवता को शर्मसार किया है। पर योगी सरकार अभी भी लोगों के दुःख, दर्द को सुनने को तैयार नहीं है। यह योगी सरकार की असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा है। योगी सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक आधार नहीं है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पूछा है कि आखिर कब तक योगी सरकार उ0प्र0 में हो रहे बलात्कार और बढ़ते अपराधों पर असंवेदनशील बनी रहेगी। उन्होने कहा कि हाथरस की घटना पर मुख्यमंत्री आवास घेरने जा रहे लोगों पर बर्बर लाठीचार्ज और गिरफ्तारियां की जाती हैं। क्या दलित बेटी के लिए न्याय मांगना अपराध है। क्या अपनी बहन, बेटियों के लिए न्याय मांगना इस प्रदेश में अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होने आगे कहा कि योगी सरकार ने मानवता को शर्मसार किया है तत्काल इस्तीफा दें।

## ग्रामीणों नें बचायी लहूलुहान वानर की जान

**पन्नोहपुर,।** विकासखण्ड बहुआ के सुजानपुर ग्राम में अचानक आये वानरों के झुण्ड में से एक वानर को कुत्तों नें बुरी तरह से लहूलुहान कर दिया। गांव के कुछ लोगों नें यह घटना देखी तो तत्काल वानर को कुत्तों से बचाने पहुंचे और कुत्तों को वहां से भगाया। बुरी तरह से घायल वानर जमीन पर लेट गया। आनन फानन में ग्रामीणों नें सुजानपुर में स्थित गुलाबी गैंग लोकतान्त्रिक कार्यालय पहुंचे एवं घटना की जानकारी अध्यक्ष हेमलता पटेल को दी। तत्काल अध्यक्ष घटनास्थल पर पहुंची और पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 राज सिंह को फोन पर बात करके घटना बताते हुए उपचार हेतु बुलवाया। डॉ0 राज व चिकित्सा सहयोगी सौरभ सिंह अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे एवं अध्यक्ष व ग्रामीणों के सहयोग से घायल वानर का इलाज किया। कुछ समय पश्चात वानर की हालत में सुधार आया तब ग्रामीणों नें वानर को ले जा कर गांव में ही मौजूद उसके समूहों के पास पेड़ में बैठा दिया तत्पश्चात उसके अन्य वानर साथी उसे अपने साथ ले गए। इस प्रकार ग्रामीणों नें गुलाबी गैंग लोकतान्त्रिक अध्यक्ष व चिकित्सको के सहयोग से वानर की जान बचायी। इस दौरान राधेश्याम, अन्नू पटेल, दिनेश, गोपाल, अनुपम, देशराज, विपिन, छोटू, लवकुश, रीशू, गुड्डी, रानी, गंगाराम आदि मौजूद रहे।

## अवैध शराब के साथ दो हिरासत में

**पन्नोहपुर,।** जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत शनिवार को पुलिस ने गश्त करते हुए दो लोगों को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा है। जानकारी के अनुसार सदर कोतवाली के उपनिरीक्षक विजय कुमार त्रिवेदी आज सुबह अपने हमराही सिपाहियों के साथ गश्त कर रहे थे। तभी मुखबिर की सूचना पर आशीष तिवारी पुत्र राजेन्द्र तिवारी निवासी आईटीआई तिराहा को गिरफ्तार करते हुए उसके पास से दस लीटर कच्ची शराब बरामद किया है वहीं धाता थाने के उपनिरीक्षक विनोद कुमार ने गश्त के दौरान धर्मेन्द्र पुत्र स्व0 बाबूलाल निवासी कोट थाना खखरेरू को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दस लीटर शराब बरामद किया है। पुलिस ने दोनों के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया।

## कुष्ठ रोग के प्रसार को रोकने को पेप प्लस का शुभारम्भ

**पन्नोहपुर,।** विश्व स्तरीय पेप प्लस प्लस परियोजना का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 एसपी अग्रवाल और जिला कुष्ठ अधिकारी नरेंद्र मान सिंह, जिला सुपरवाइजर डॉ0 आतिफसादिक और राज्य कुष्ठ सलाहकार डॉ0 निशांत द्वारा गांधी जी के प्रतिमा पर पुष्प माल्यार्पण के बाद कुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों के संपकियो को दवा की पहली खुराक खिलाई गई, आगे चलकर कर पूरे जिले के कुष्ठ रोगियों को दवा खिलाई जाएगी। जिससे कुष्ठ रोग होने की संभावना समाप्त होगी। पेप प्लस प्लस परियोजना एक विश्वस्तरीय परियोजना है जो कि विश्व के ज्यादा कुष्ठ प्रभावित देशों भारत इंडोनेशिया और ब्राजील मे चलाई जा रही है। भारत मे यह परियोजना एनएलआर इंडिया और भारत सरकार के सहयोग से चल रही है। जिसका मुख्य उद्देश्य पेप प्लस प्लस परियोजना के द्वारा कुष्ठ के प्रसार की चेन को रोकना है। इस अवसर पर पेप प्लस प्लस टीम के साथ जिले के स्वास्थ्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

## पुत्री को भगा ले जाने की शिकायत डीएम से

**पन्नोहपुर,।** सुल्तानपुर घोष थाने के ग्राम मर्दनपुर निवासी सुरेश कुमार कोरी पुत्र इंद्रपाल कोरी ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया कि उसकी पुत्री सुधा देवी उम्र 15 वर्ष विगत 29 सितंबर की रात 10 बजे प्रमोद सिंह उर्फलल्लू पुत्र किशन सिंह निवासी चक्क बाकरपुर कहीं भगा ले गया तथा घर में शादी के लिए रखे पचास हजार रूपये भी साथ में ले गई और सोने-चांदी के जेवर भी ले गई। शिकायतकर्ता ने डीएम से कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

# देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने मे किसानो का अहम रोलः प्रो. रीता बहुगुणा जोशी

## सांसद, विधायक,जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष ने कृषि विधेयक संगोष्ठी को सम्बोधित किया किसानों को कृषि विधेयक पर करेंगे जागरूक, होगे विभिन्न आयोजन

**प्रयागराज।** देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने मे किसानो का अहम रोल होगा। इससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी किसानों के आर्थिक आजादी के साथ आय दोगुनी करने के उद्देश्य से मोदी सरकार ने स्वामिनाथन रिपोर्ट के आधार पर किसानों के हितों के लिए कृषि संसोधन विधेयक लाकर देश के किसानों के हाथ मजबूत किए है। विपक्ष के पास मुद्दा नही बचा तो किसानों को गुमराह करके भड़का रहे हैं। विरोध मे किसान कम विपक्षी राजनीतिक दल के लोग ज्यादा होते है। हम सब भाजपा के कार्यकर्ता जनप्रतिनिधि किसानों को घर-घर जाकर मीडिया,शोशल मीडिया के माध्यम से जागरूक करेगें। उक्त बातें प्रयागराज की सांसद प्रो.रीता बहुगुणा जोशी ने कृषि विधेयक संगोष्ठी के वर्चुअल सभा को प्रयागराज यमुनापार के विधायक,जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों व जन प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कही। कार्यक्रम को विधायक बारा डॉ. अजय कुमार व कोरांव विधायक राजमणि कोल ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम मे जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती भी जुड़े। अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष शोभनारायण द्विबेदी ने किया व संचालन जय सिंह पटेल ने किया। आभार किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष रत्नाकर सिंह पटेल ने व्यक्त किया। आगे के कार्यक्रम हेतू विजय शंकर शुक्ला,अजीत प्रताप सिंह,दिलीप कुमार चतुर्वेदी,सुरेश शुक्ला आदि को नई जिम्मेदारियां दी गई है। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से शशिकांत तिवारी, राजेश शुक्ला, विनोद प्रजापति, रामेश्वर पटेल,सविता त्रिपाठी, विक्रमादित्य मौर्य,आकांक्षा सोनकर,हरिदेव धुरिया,प्रकाश शुक्ल प्रचंड,अनूप केसरवानी,शिवराम सिंह परिहार, मनोज गुप्ता, विशाल मोहन,संत प्रसाद पांडे,मनुकक्कड़ आदि के साथ भारी संख्या में पदाधिकारी जनप्रतिनिधि के साथ मंडल अध्यक्षगण भी उपस्थित रहे। और आगे के कार्यक्रमो की रूप रेखा तैयार किया। उक्त जानकारी भाजपा यमुनापार जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने दी।

## गुरुआ में भाजपा नेता नंदकिशोर प्रसाद के आवास पर हुई कार्यकर्ताओं की बैठक

**गुरुआ गया।** गुरुआ प्रखंड के भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक नदौरा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य सह शिक्षा समिति के अध्यक्ष नंदकिशोर प्रसाद के आवास पर हुई।बैठक में मौजूद शक्ति केंद्र के प्रभारी, बूथ कमेटी के अध्यक्ष व सस ऋषि के कार्यकर्ताओं से भाजपा के झारखंड के प्रभारी सूरज चौरसिया ने विधानसभा चुनाव की तैयारी पर विस्तार से चर्चा किया।वहीं भाजपा के प्रदेश के नेता नंदकिशोर प्रसाद ने बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि साथियो इस बार के विधानसभा चुनाव हमलोंगो के लिए चुनौतीपूर्ण है।इसलिए हमलोग तमाम कार्यकर्ता गोलबंद होकर एनडीए के उम्मीदवार को ऐतिहासिक मत से जिताने का काम करेंगे।इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा में कुछ ऐसे लोग भी हैं जिनका संबंध दूसरे दल से भी है।वैसे लोगों को से हमलोंगो को सर्तक रहने की जरूरत है।बैठक में भाजपा के वरीय नेता दिलीप यादव, प्रभाकर सिंह, सुभाग सिंह, दिनेश कुमार मिश्रा, सुनील कुमार चंद्रवंसी मौजूद थे।

## बलीपुर में हाथरस की घटना के गम में कैंडल मार्च

**प्रयागराज।** शनिवार की शाम उतरांव के बलीपुर बाजार में हाथरस की बेटी मनीषा के साथ हुए हैवानियत के विरोध में लोगों ने कैंडल मार्च निकालकर सरकार के प्रति रोष जताया।हाथरस की दलित बेटी मनीषा बाल्मिकी के साथ हुए हैवानियत और हैवानियत की सच छिपाने के लिए सरकार के द्वारा किये गये कुचक्र के खिलाफ बलीपुर बाजार में पत्रकार, समाजसेवी आदि लोगों ने शनिवार की शाम कैंडल मार्च निकाला। लोगों ने सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए एक स्वर में ऐलान किया कि मनीषा के घर मीडिया वालों का बैन लगाना सरकार के पतन के दिन आना साफ जाहिर हो गया है। इस अवसर पर पत्रकार शिव कुमार पटेल, रणविजय सिंह,मो0 रजा, हरिशंकर पटेल ,शुभाष सरोज,संजय पटेल, अशोक केशरवानी, नागेन्द्र पटेल,बिजय सरोज आदि कैंडल मार्च में शामिल रहे।

# समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च निकाला हाथरस की बेटी को दी श्रंद्धांजलि

**मेजा, प्रयागराज।** उरुवा ब्लाक के अंतंगत परानीपुर में सपाइयों ने हाथरस की बेटी के साथ हुआ घिनौना हरकत के उपलक्ष में कैंडल मार्च निकाला और हाथरस की बेटी को श्रद्धांजलि अर्पित किया। युवा सपा नेता लवकुश यादव ने मंजेश यादव जिला सचिव समाजवादी पार्टी नेतृत्व में सैकड़ो युवा मास्क लगाकर परानीपुर चौराहे पर हाथरस में हुई दरिंदगी से बेटी की मौत पर श्रंद्धांजलि अर्पित की और बहन हम शर्मिंदा है कातिल तेरे जिंदा है ,पुलिस प्रसासन मुर्दाबाद ,हत्यारो को फाँसी दो योगी सरकार मुर्दा बाद तथा जो सरकार निकम्मी है ओ सरकार बदलनी है युवाओं ने परानीपुर चौराहे से कैंडल मार्च निकालकर गांव में घूम घूम कर नारे लगाए साथ में विशाल तिवारी ,त्रिसूल नाथ पटेल अमित पटेल सोनू पटेल राजू यादव अमन विश्वकर्मा अंकित पटेल रोहित पटेल महेंद्र मिश्र अनूप पटेल आनन्द यादव सुरेंद्र यादव ,सुधीर ,संजय, अभिषेक तिवारी ,बीर बहादुर ,आकाश, ननकऊ , बृजेश यादव रोलू सोनी, रत्नेश तिवारी, भारी मात्रा में लोग उपस्थित थे।

## समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने हाथरस की बेटी के साथ हुए अपराध के विरोध में एवं सरकार की जनविरोधी नीतियों का विरोध किया

**माण्डा,प्रयागराज।** रामसेवक सिंह पटेल पूर्व विधायक बारा एवं पूर्व प्रत्याशी मेजा विधानसभा द्वारा राजापुर, जफरा, खपरकुचवा आदि जगहों पर हाथरस की बेटी को न्याय दिलाने के लिए जन विरोधी नीतियों का जन चौपाल लगाकर विरोध किया। जयशंकर भारतीया विधानसभा उपाध्यक्ष निवर्तमान एवं मुरारी सिंह यादव समाजसेवी पूर्व जिला सचिव समाजवादी पार्टी द्वारा भाजपा सरकार के झूठे वादों को गिनाया और हाथरस की बेटी को न्याय दो ,योगी जी इस्तीफा दो ,बहनों को सुरक्षा दो ,बेटी मांग रही है न्याय योगी सरकार हाय है ,यूपी में जंगलराज खत्म करो ,बलात्कारियों को फांसी दो के साथ सरकार का विरोध किया मौके पर रामराज पटेल समाज सेवी, पवन सिंह पटेल, श्याम कृष्ण पटेल ,मनोज भारती, राकेश यादव रूद्र ,रामपाल पटेल ,घनश्याम पटेल पूर्व प्रधान जफरा, अरुण पटेल ,वीरेंद्र कुमार गणेश पटेल एडोकेट आदि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# पूरे प्रदेश में कांग्रेस पार्टी का हाथरस की बेटी के इंसाफ के लिए प्रार्थना सभा

**लखनऊ।** हाथरस की बेटी को इंसाफ दिलाने के लिए सड़क पर संघर्ष कर रही उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने गांधी जयंती के दिन पूरे उत्तर प्रदेश में दलित बिटिया के इंसाफ के लिए प्रार्थना सभा का आयोजन किया। प्रदेश के लगभग हर जिले में दलित बेटी के इन्साफ के लिए हुयी प्रार्थना सभा। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आज महानगर कांग्रेस कमेटी ने शहर के हुसैनाबाद बाद स्थित वाल्मीकि मंदिर में हाथरस की बिटिया के इंसाफ के लिए प्रार्थना सभा हुयी। प्रार्थना सभा में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू सहित विधान मंडल दल की नेता श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' और विधान परिषद दल के नेता श्री दीपक सिंह भी शामिल हुए। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने प्रार्थना सभा में कहा कि हाथरस की बेटी के इन्साफ के लिए पूरी कांग्रेस पार्टी प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि हाथरस की बिटिया के साथ हुए गैंगरेप और मृत्यु के बाद शव न दिये जाने की घटना हमें बर्बर युग की याद दिलाता है। उन्होंने आगे कहा कि एक घमंडी सत्ता मासूम बच्चों के मृत शरीरों पर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रही है। अन्याय को रोकने के बजाय खुद अन्याय कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू ने आगे कहा कि महिलाओं के लिए एक सुरक्षित समाज जहाँ वे आजादी से रह सके और एक गरिमामयी जीवन जी सकें के लिए कांग्रेस पार्टी हमेशा संघर्षरत रहेगी। प्रार्थना-सभा में उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' ने कहा कि उत्तर प्रदेश महिलाओं के लिए सर्वाधिक असुरक्षित प्रदेश हो गया है। गैंगरेप सहित छेड़-छाड़ और बलात्कार के मामले में उत्तर प्रदेश टॉप पर है। प्रदेश की योगी सरकार दोषियों को दंड देने के बजाय एफ.आई.आर. लिखने में आठ-आठ दिन लगा रही है। हाथरस की गैंगरेप पीड़ित दलित बिटिया समुचित इलाज के अभाव में दम तोड़ देती है। योगी सरकार कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं कर रही है बल्कि खबरों को मैनेजमैन्ट के जरिये दबाना चाहती है। योगी की टीम 11 महिलाओं पर होने वाले अपराधों का गलत डाटा मीडिया में भेज कर जनता को गुमराह कर रही है। आने वाले वक्त में प्रदेश की जनता इस अन्याय के लिए माकूल जवाब देगी। इसी क्रम में आज लखनऊ के अलावा इलाहाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, जालौन, बरेली, मुरादाबाद, मेरठ, आगरा, सहारनपुर सहित प्रदेश के सभी जनपदों में पिछले दिनों गैंगरेप में मारी गयी बच्चियों के लिए प्रार्थना-सभा आयोजित की गयी।

# आगे क्या ? मथुरा और काशी

पूरे 28 साल मीडिया का एक बड़ा हिस्सा मस्जिद शब्द लिखने से बचता रहा। टीवी चौनलों हम सब उसे ढांचा बोलते या फिर बाबरी। सोशल मीडिया पर भी वही हो रहा था। बाबरी बोलो, या ढांचा। परहेज करो, मस्जिद मत बोलो। जब कभी हम इस परहेज की परिधि से बाहर निकलते और बाबरी मस्जिद बोल जाते, तुरंत आक्षेप की बाढ़ आने लगती। मुल्लों के पक्षकार हो, या पाकिस्तानी? और जो वास्तव में पाकिस्तान के कराची में पैदा हुआ, बहुसंख्यक हिंदू मुल्क की राजनीति में बहैसियत नंबर टू था, उसने 30 सितंबर 2020 को देश की जनता को संबोधित पत्र में बाबरी मस्जिद लिखने का साहस कर दिखाया। जी हां, मैं लालकृष्ण आडवाणी की बात कर रहा हूं। वो अपने पत्र में मस्जिद लिखने का साहस कर चुके थे, मगर मस्जिद तोड़ने में अपनी शिरकत को खुलकर कहने का दुस्साहस नहीं कर पाये। 92 साल के लालकृष्ण आडवाणी समेत क्या वो 32 जीवित आरोपी भी कायर निकले? स्पेशल जज सुरेंद्र कुमार यादव से एक रुपये का जुर्माना ही मांग लिया होता, और बोल देते कि हां तोड़ी थी मस्जिद! ये 32 लोग अमरत्व नहीं चाहते थे क्या? इस परिघटना की तुलना आजादी के इतिहास से तो नहीं की जानी चाहिए, मगर संदर्भ के रूप में कह तो सकते हैं कि भगत सिंह, बटुकेश्वर दत्त जैसे क्रांतिकारियों ने अपने अपराध इसलिए कुबूले, ताकि इतिहास उन्हें गर्व से याद कर सकें। ये अपनी-अपनी च्वाइस है, इतिहास आपको गर्व से याद करे, या शर्म से। आपके प्रवक्ता टीवी पर 28 साल पहले किये अपराध को शर्म से नहीं कबूल रहे थे, और शैदाई सोशल मीडिया पर। जो ताकतें अदालत को अदृश्य हाथों से नियंत्रित कर रही हैं, क्या यह उनके मास्टर प्लान में था कि 49 में से 32 जीवित अभियुक्तों को शहादत नहीं मिलनी चाहिए। उनने क्या तय कर लिया था कि आडवाणी समेत इन बत्तीस लोगों को राम मंदिर आंदोलन के इतिहास का श्भगत सिंह, बटुकेश्वर दत्तश् क्यों बनने दिया जाए? इसके बरक्स इन 32 बाइज्जत बरी महानुभावों में विनय कटियार जैसे लोग भी हैं, जिनका अजेंडा अभी पूरा नहीं हुआ है। मैं विनय कटियार को 1974 से जानता हूं, जब वे बिहार में जेपी आंदोलन के कन्विनर हुआ करते थे। जेपी से जुड़ने से पहले वे यूपी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संगठन सचिव थे। विनय कटियार जेपी से विमुख हुए, उसके बाद 1980 तक संध के प्रचारक रहे।

1982 में हिंदू जागरण मंच की स्थापना की, और 1984 में बजरंग दल की बुनियाद रखी। यों, यह शोध का विषय है कि जेपी और अन्ना के कितने अनुयायी इस समय भगवा राजनीति में हैं? वर्तमान में विनय कटियार बीजेपी में हैं। यूपी से पांच बार सांसद रहे विनय कटियार जो बयान दे रहे हैं, क्या उसे बीजेपी का आधिकारिक वक्तव्य माना जाए? 30 सितंबर 2020 को सीबीआई की विशेष अदालत के फैसले के बाद बयानों की जो झड़ी लगी, उसमें विनय कटियार का थोड़ा हटकर दिया वक्तव्य भावी योजनाओं की ओर इशारा कर रहा था। तब विनय कटियार ने स्पष्ट कहा था कि अब मथुरा और काशी की तैयारी होगी। सभी साधु-संत मिलकर तय करेंगे कि कैसे काशी और मथुरा के आंदोलन को आगे लेकर जाना है। मगर, क्या विनय कटियार की इस मंशा से स्वयं पीएम मोदी, या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहमत है? राम मंदिर आंदोलन की अदालती सुनवाई में ऐसे कई अवसर आये, जब पीएम मोदी से विनय कटियार की असहमतियां दिखीं। पीएम मोदी काशी से सांसद भी हैं, इसलिए उनकी स्थानीय जिम्मेदारी बड़ी हो जाती। देश जानना चाहेगा कि वो ज्ञानवापी मस्जिद के अस्तित्व को स्वीकार करते हैं, या नहीं? पीएम मोदी ने काशी विश्वनाथ कॉरीडोर का जो ग्राफिक अपने आधिकारिक पोस्ट पर डाली है, उसमें ज्ञानवापी मस्जिद स्पष्ट रूप से उकेरा दिखाया गया है। ज्ञानवापी मस्जिद या मथुरा का शाही ईदगाह मस्जिद, श्बाबरीश् की तरह ढांचा भर नहीं है। इन मस्जिदों में नमाज अदा की जाती है। ज्ञानवापी के प्रबंधन का काम देखने वाले अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद के महासचिव एस.एम. यासीन बोलते हैं कि कॉरीडोर के निर्माण से हमारे समुदाय पर कोई असर नहीं पड़ा है, मस्जिद पूरी तरह सुरक्षित है, फिर भी डर तो लगा रहता है। काशी विश्वनाथ कॉरीडोर प्रधानमंत्री मोदी की सर्वाधिक प्रिय परियोजनाओं में से एक है। मोदी की महत्वाकांक्षी काशी-विश्वनाथ कॉरीडोर पर लगातार काम चल रहा है, जिसपर 600 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। इस कॉरीडोर को जून 2021 तक पूरा कर दिये जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसे ध्यान में रखने की आवश्यकता है कि बाबरी मस्जिद विवाद से पहले काशी में ज्ञानवापी को लेकर बावेला मचा हुआ था। उसे रोकने के वास्ते पीवी नरसिम्हाराव सरकार ने 1991 में पूजा स्थल संरक्षण कानून बनवाया था। उस कधनून का उद्देश्य यही था कि विश्व हिंदू परिषद व अन्य हिंदू संगठनों को ज्ञानवापी और शाही ईदगाह मस्जिद को निशाने पर लेने से रोका जाए। इस कधनून के पास हो जाने के बाद भी धार्मिक संगठन शांत नहीं हुए। 1991 में काशी-विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट (केवीटीटी) और स्वयंभू भगवान शिव की ओर से वाराणसी जिला अदालत में अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद के विरूद्ध याचिका दायर की गई कि वो जमीन मंदिर को सौंपी जाए, जिसे औरंगजेब ने नष्ट कर मस्जिद बनवाया था। औरंगजेब के समय भी इस मस्जिद का नाम ज्ञानवापी ही रहने दिया गया। एक अंग्रेज विशप रेजीनाल्ड हेबर ने 1824 में ज्ञानवापी का दौरा किया था। उसने अपने संस्मरण में लिखा-श्उस मंदिर परिसर में एक प्राचीन कुएं का नाम था श्ज्ञानवापीश, जिसे भक्तगण गंगा से भी पवित्र मानते थे। श्गुड अर्थ वाराणसी सिटी गाइडश् के पेज 95 में लिखा है कि पुजारियों का विश्वास है कि उस कुएं में लिंगम अवस्थित था, इसलिए मूल मंदिर उसी स्थल पर है, जिसका विध्वंस कर औरंगजेब ने मस्जिद बनवाया था।

1909 में लंदन मिशनरी सोसाइटी से जुड़े एडविन ग्रीव्स ने एक यात्रा वृतांत श्काशी द सिटी इलस्ट्रीयसश् के पेज 80 में लिखा कि मैं उस जगह पर गया और मस्जिद के भीतर कुछ स्तंभ देखे, जो काफी प्राचीन लग रहे थे। ये तथ्य ज्ञानवापी विवाद के 167 और 82 साल पहले क्रमशरू दो अलग-अलग लेखकों ने दिये। औरंगजेब की वजह से सिर्फकाशी का धर्मस्थल विवादित नहीं है। उसने मथुरा में भी ऐसा ही बोया था। मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद कृष्ण की जन्मभूमि मंदिर परिसर के बगल में अवस्थित है, जिसे भगवान कृष्ण का जन्मस्थल माना जाता है। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि औरंगजेब ने 1670 के आसपास 13.37 एकड़ में बने प्राचीन कटरा केशवदेव मंदिर को तुड़वाकर मस्जिद का निर्माण करवाया था। मगर, श्तारीखे दाउदीश् में मुगल बादशाह जहांगीर ने जिक्र किया है कि सोलहवीं सदी में दिल्ली सल्तनत के सुलतान सिकंदर लोदी ने मथुरा के मंदिरों का विध्वंस किया था। मुस्लिम पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले जफरयाब जिलानी बताते हैं कि 1968 में शाही ईदगाह मस्जिद समिति व कृष्ण भूमि ट्रस्ट के बीच समझौता हुआ था, और मस्जिद के प्रबंधन का अधिकार मुस्लिम समिति को सौंप दिया गया था। बाबरी मस्जिद विध्वंस के छह माह बाद वृंदावन निवासी मनोहरलाल शर्मा ने 1968 में हुए समझौते को रद्द करने के वास्ते मथुरा जिला अदालत में याचिका दायर की। साथ ही 1991 में बने पूजा स्थल संरक्षण कानून को भी चुनौती दी गई। इस अदालती लड़ाई का किध्स्सा कोताह यह है कि 28 साल बाद उसी मथुरा जिला अदालत ने बुधवार 30 सितंबर के दिन इस केस को खारिज कर दिया। इसे विडंबना ही कहिए, भक्त समुदाय एक तरफविशेष अदालत में विजय पर लड्डू बांट रहा था, पर उसी दिन मथुरा की अदालत में पराजय पर मौन धारण किये हुए था। मगर, यह इस कहानी का द एंड नहीं है। श्रीकृष्ण विराजमान की जमीन पाने के वास्ते ये लोग ऊपरी अदालत में उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फबोर्ड व शाही ईदगाह ट्रस्ट प्रबंध समिति के विरूद्ध अपील करेंगे। यह महत्वपूर्ण है कि 12 जून 2020 को पूजा स्थल संरक्षण कानून 1991 को एक हिंदू संगठन, विश्व भद्र पुजारी पुरोहित महासंघश् ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हिंदू संगठन मथुरा-काशी विवाद छेड़ने से पहले पूजा स्थल संरक्षण कानून 1991 को जैसे भी निरस्त कराना चाहेंगे।

# सम्पादकीय

## सत्ता की चाकरी में लगी पुलिस

उत्तरप्रदेश के हाथरस में हुए सामूहिक बलात्कार ने न केवल इस प्रदेश और देश में महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए, बल्कि अब सवाल सरकार और पुलिस प्रशासन की नीयत पर भी उठने लगा है। इस घटना में पहले ही पुलिस की लापरवाही पर सवाल उठ रहे थे और अब तो बात लापरवाही से काफी आगे निकलकर संवेदनहीनता के दायरे को पार करती हुई खुलकर सत्ता की चाकरी करने तक पहुंच गई है। हाथरस की घटना का वर्णन पढ़-सुनकर ही किसी भी संवेदनशील इंसान के रोंगटे खड़े हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोग तरह-तरह से अपना गुस्सा व्यक्त कर रहे हैं। लेकिन भाजपा को शायद धार्मिक भावनाओं के अलावा कोई और भावना समझ ही नहीं आती है। एक वक्त था जब यूपीए के कार्यकाल में हुई घटनाओं पर भाजपा नेता स्मृति ईरानी सड़कों पर जनता की जुझारू प्रतिनिधि के अभिनय में नजर आती थीं। लेकिन अभी महिला एवं बाल विकास मंत्री होने के बावजूद उन्हें हाथरस मामले में दो शब्द कहने में दो दिन लग गए। उन्होंने कहा कि दोषी जल्द फांसी पर लटकेंगे। इसी तरह उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने भी दोषियों को सख्त से सख्त सजा देने की बात कही है। मगर अभी जिस तरह का रवैया पुलिस का है, उसे देखकर डर लग रहा है कि कहीं उस दलित युवती के साथ किस तरह का दुराचार हुआ, इसकी सही जानकारी कानूनन दर्ज होगी भी या नहीं। सजा तो दोषियों को तभी मिलेगी, जब उन पर जुर्म साबित होगा। 14 सितंबर को हुई इस घटना में 29 सितंबर तक तीन बार पुलिस ने एफआईआर की धाराओं को बदला। पहले केवल हत्या के प्रयास की बात दर्ज हुई, फिर गैंगरेप की और अब पीड़िता की मौत के बाद हत्या की धाराएं जोड़ी गई हैं। लड़की ने अस्पताल में दिए अपने बयान में गैंगरेप की बात कही थी, लेकिन पुलिस मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर ही आगे बढ़ती है और उसमें अभी इस बात की पुष्टि होना बाकी है कि गैंगरेप हुआ था या नहीं। दरअसल लड़की मां को जिस हाल में मिली थी, उसमें उसे बड़ी मुश्किल से बगहला के सरकारी अस्पताल तक ले जाया गया था। यहां उसका मेडिको लीगल नहीं किया जा सका, क्योंकि उसकी हालत बेहद खराब थी। उसे एमएमयू के जेएन मेडिकल कालेज भेजा गया और वहां से दिल्ली के सफ्दरजंग अस्पताल में। इस बीच लड़की ने पहले होश आने पर एक लड़के का नाम लिया, फिर बाद में बाकी लोगों के नाम भी बताए, जिन्होंने उनके साथ दुष्कर्म किया।जिस के साथ इतनी दरिंदगी हुई हो, वो एक बार में अपनी आपबीती कैसे बयां कर सकती है। फिर यहां तो उसकी जुबान से लेकर रीढ़ की हड्डी तक सब उसके आत्मसम्मान के साथ चूर-चूर कर दी गई थी। और इंसानियत के बचे-खुचे अवशेष तब राख हो गए, जब पीड़िता का अंतिम संस्कार आधी रात को पुलिस वालों ने कर दिया, घर वालों को इतना मौका भी नहीं दिया कि वे अपनी बच्ची का चेहरा आखिरी बार देख लेते। उसकी मेडिकल रिपोर्ट भी अब तक उसके परिजनों को नहीं दी गई है। और अब उत्तरप्रदेश की आदित्यनाथ योगी सरकार यह भी सुनिश्चित कर रही है कि उसके परिजनों का विपक्ष के नेताओं खासकर राहुल गांधी या प्रियंका गांधी से कोई संपर्क हो पाए। मजबूत और ईमानदार शासन-प्रशासन का ढोल पीटने वाली भाजपा सरकार भीतर से इस कदर डरी हुई है कि उसे विपक्ष के नेताओं के पैदल मार्च से भी तकलीफ हो रही है। इसलिए आज पहले राहुल और प्रियंका गांधी को नोएडा बार्डर पर ही आगे बढ़ने से रोक दिया गया और जब उन लोगों ने हाथरस तक पैदल जाने का निश्चय किया तो उन्हें हिरासत में ले लिया गया। इस बीच खबर ये भी है कि राहुल गांधी के साथ थोड़ी धक्का-मुक्की भी हुई। अगर ऐसा है तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं है। वे आम जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं और आम जनता सरकार की ऐसी संवेदनहीनता का धक्का रोज ही खा रही है। दुख इस बात का है कि इस मौके पर अकेले राहुल गांधी या प्रियंका गांधी को पुलिस की सख्ती से दो-चार क्यों होना पड़ा। सोशल मीडिया पर मेरी बच्ची मुझे माफ कर देना, जैसे दिखावटी जुमले लिखने वाले बड़े पुरस्कार विजेता या उप्र पुलिस से खून के आंसुओं का हिसाब मांगने वाले तथाकथित जननेता, समाजसेवी, महिला अधिकारों पर वेबिनारों में व्यस्त बुद्धिजीवी, बसपा, सपा, वामदल, दलित राजनीति के पुरोधा ये सारे लोग क्या इस मौके पर एकजुट होकर हाथरस जाने का निश्चय नहीं कर सकते थे। क्या आधी आबादी के साथ दरिंदगी पर गुस्सा भी राजनीतिक सुविधा के हिसाब से आता है।

अगर आज राहुल-प्रियंका के साथ तमाम पार्टियों के लोग हाथरस जाने का निश्चय करते, तो क्या उप्र पुलिस सबको रोकती। और अगर रोकती तो इस बहाने एक बड़ा जनांदोलन महिला सुरक्षा के नाम ही खड़ा हो जाता। इसका लाभ देश भर की महिलाओं को मिलता, फिर चाहे वे कांग्रेसी परिवार की महिलाएं हों या भाजपाई परिवार की या किसी और राजनैतिक दल के समर्थक परिवार की। महिलाओं के लिए शोषण और तकलीफें तो धर्म, जाति, राजनैतिक दल सबसे परे एक समान ही हैं। हाथरस की घटना के बाद बलरामपुर और राजस्थान से भी ऐसी ही घटनाओं की खबर सामने आई है और जब तक बलात्कार जैसे जघन्य अपराध को राजनीति के नजरिए से तौला जाता रहेगा, तब तक ऐसी घटनाओं पर कोई लगाम नहीं लगेगी। समाज का खून दिल्ली से लेकर उन्नाव और कठुआ तक खौला, लेकिन दो-चार राजनैतिक जुमलों से इस खौल पर ठंडे पानी के छींटे पड़ जाते हैं और वो शांत हो जाता है। जनता शायद सचमुच ये मानने लगी है कि राम मंदिर बनेगा, तो राम राज आ जाएगा।

# अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव-19

29 सितम्बर, 2020 को अमेरिकियों और विश्व भर के करोड़ों लोगों ने टीवी पर वह कार्यक्रम देखा जिसका कई महीनों से इस नाम से प्रचार हो रहा था कि वह 2020 का सबसे बड़ा राजनैतिक कार्यक्रम होगा- राष्ट्रपति चुनाव के प्रत्याशियों के बीच बहस की पहली कड़ी। वैसे बहस उम्मीदों के अनुरूप सफल भी थी और नाकाम भी। अनेक मायनों में 2016 के चुनावों की याद दिलाने वाली बहस- जिसने देश भर के लोगों को दोनों उम्मीदवारों की योग्यता पर सवाल करने का मौका दिया कि क्योंकि इन दो प्रत्याशियों को देश का प्रतिनिधित्व करने के लिये चुना गया है। वैसे तो दोनों ही उम्मीदवार किसी भी सूरत में अच्छे नहीं लगे लेकिन बहस के परिणामों का सबसे प्रमुख सार रहा उनसे उम्मीदें। लगभग सभी चुनावों में आगे रहने वाले जो बाइडेन को एक बात साबित करनी थी कि वे अब तक के शायद सबसे आक्रामक राष्ट्रपति प्रत्याशी के मुकाबले धकिया न दिये जायें। इस दौरान डोनाल्ड ट्रम्प को अपना पूर्ववर्ती वाद विवाद प्रदर्शन ही दोहराना था, जिसे उन्होंने एकबारगी ऐसा राजनैतिक घटनाक्रम बना दिया था जो टेलीविजन पर जरूर देखे जाने योग्य कार्यक्रम था। अपने लक्ष्य को पाने में बाइडेन सफल रहे। बहस के दौरान ऐसा कोई भी वक्त नहीं आया जब वे धीमे, बड़बड़ाते हुए बूढ़े नजर आये हों जिसका कुछ लोग दावा कर रहे थे। एक ऐसी परिस्थिति जिसमें उनकी बड़ी नाकामी की आशंका थी, तथापि बाइडेन भले त्रुटिहीन न रहे हों परन्तु वे कहीं भी ट्रम्प के मुकाबले कमजोर नहीं दिखे। प्रारम्भ से ही दोनों उम्मीदवार आक्रामक दिखाई दिये। हमेशा की तरह ट्रम्प ने अपनी टुकड़ों में डिबेट वाली रणनीति अपनाते हुए बाइडेन को हस्तक्षेप का कोई मौका नहीं दिया। दूसरी तरफ बाइडेन ने अपनी तरह की कुछ आक्रामकता दिखलाई, बीच-बीच में ट्रम्प को टोकते रहे और एक के बाद विभिन्न भाव-भंगिमाएं बनाते रहे। शुरुआत में पहले ही विषय पर दोनों उम्मीदवार एक-दूसरे के बराबर नजर आये- वह था दोनों के रिकार्ड के बारे में। पहले तो ट्रम्प ने जोरदार शुरुआत की, जिसमें उन्होंने एक सुप्रीम कोर्ट जस्टिस की नियुक्ति पर प्रकाश डाला। जिस मामले में डेमोक्रेट्स ने तभी से मोर्चा खोल रखा है जिसमें जस्टिस रूथ बैडर गिन्सबर्ग की मंजूरी दी गई है। ट्रम्प ने कहा- श्मैं आपको सीधे तौर पर बतला देता हूं कि हम चुनाव जीत चुके हैं। हमारे पास सीनेट है, हपारे पास व्हाईट हाउस है और हमारे पास एक जबर्दस्त प्रत्याशी है जिसका बड़े अकादमिक विद्वान सम्मान करते हैं।श् बहस में शायद पहली बार शुरुआत में ट्रम्प शान्त और ध्यान लगाये दिखे जब नीति के सार तत्वों को लेकर वे तर्क दे रहे थे। इस मुद्दे को लेकर वे और बाइडेन आरम्भ में ही भिड़ गये थे लेकिन इसके पहले कि लहर उनकी ओर आती, बाइडेन सफलतापूर्वक मसले को स्वास्थ्य सेवाओं की ओर मोड़ने में कामयाब हो गये। बाइडेन ने दावा किया कि ट्रम्प द्वारा सुप्रीम कोर्ट की नामांकित एमी कॉनी बैरेट ओबामाकेयर को असंवैधानिक घोषित कर देंगी। यह बाइडेन का मजबूत दावा था जिसे उन्होंने जल्दी ही बहस की धुरी बना लिया जिसे कई लोग ओबामा काल की केन्द्रीय सफलता के रूप में देखते हैं। बहस में ट्रम्प के स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति दृष्टिकोण के अभाव के साथ बाइडेन द्वारा ओबैमाकेयर की सफलताओं को प्रचारित करना उनका पहला मजबूत बिन्दु था। जब ट्रम्प ने स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर बाइडेन को दबाना चाहा तो बाइडेन ने अपनी बन्दूक की नाल को ट्रम्प के चार साल तक पद पर रहने के बावजूद स्वास्थ्य सेवाओं सम्बन्धी योजनाओं के अभाव की ओर तान दिया। दूसरे पक्ष को खराब बयानबाजी के लिये मजबूर करने की रणनीति दोनों की ही नजर आई, और इस मामले में बाइडेन ने तब पहली बढ़त ले ली जब ट्रम्प ने दावा किया कि वे दवाओं की कीमतें 80-90 फीसदी तक कम कर सकेंगे। इस पर बाइडेन ने राष्ट्रपति के पास ठोस योजना के अभाव की बात कहकर उन पर दोहरा हमला बोला। बाइडेन ने कहा- उनके पास स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कोई योजना नहीं है। वे केवल खयाली पुलाव पकाते हैंय उनके पास कार्यकारी निर्देश हैं पर उनमें शक्ति नहीं है। उन्होंने किसी के लिये दवाओं की कीमतें कम नहीं की हैं। जब से वे निर्वाचित हुए हैं तभी से स्वास्थ्य सेवा नीति का आश्वासन देते रहे हैं। अन्य कही गई बातों की तरह ही उनके पास कुछ नहीं है- उनके पास इसकी कोई योजना नहीं है। सच तो यह है कि इस व्यक्ति को यह मालूम ही नहीं रहता कि वे क्या बोल रहे हैं। जब तक बहस कोविड-19 पर जारी रही, बाइडेन ट्रम्प के रिकार्ड पर दबाव डालते रहे जिसमें उन्होंने उन लीक हुए टेपों को याद किया जिसमें सार्वजनिक तौर पर स्वीकार करने के काफी पहले राष्ट्रपति यह जानते हुए पाये गये हैं कि संक्रमण काफी खतरनाक है। बाद में, जब विषय मास्क के असर पर चला गया, बाइडेन लगातार ट्रम्प को ठेलते रहे परन्तु इस बार उन्हें आंशिक सफलता ही मिली। इस मुद्दे पर ट्रम्प के रिकार्ड से डिबेट के इस हिस्से में उनकी निश्चित जीत के अवसर थे लेकिन बाइडेन इस विषय पर कुछ अंक बटोर लेने की क्षमता के अभाव से वे जितना बच सकते थे उतना बच गये। बाइडेन ने दो लाख अमेरिकियों की कोविड संबंधी मौतों पर तो ध्यान केन्द्रित किया परन्तु वे इस मुद्दे पर ट्रम्प पर हावी होने की पर्याप्त ऊर्जा नहीं दिखला पाए। नजीजतन, यह बाइडेन द्वारा उस रात का सबसे बड़ा खोया हुआ अवसर था। ट्रम्प अधिक प्रतिबद्धता दिखा गये और अपने प्रमुख मुद्दों से एक पर जोर देने में भी कामयाब रहे। फिर भी, बाइडेन की तरह कोरोना पर ट्रम्प इसे पर्याप्त नहीं भुना पाए। बाइडेन ट्रम्प की ओर से आने वाले हमलों को झेलने में कामयाब रहे, जिन्होंने दावा किया कि वे कानून प्रवर्तन बजट को घटाएंगे और वे कानून-व्यवस्था के खिलाफ हैं। बाइडेन ने कहा-हां, मैं कानून-व्यवस्था के पक्ष में हूं और न्याय के साथ कानून व व्यवस्था, जिसमें लोगों के साथ निष्पक्षता बरती जाए। ट्रम्प की कानून-व्यवस्था की अवधारणा को काटने और पोर्टलैंड जैसे शहरों में दंगों के अर्थ बदलने से लेकर नस्ल संबंधी मामलों की ओर मोड़ने की बाइडेन की क्षमता थी, जिसमें उन्हें स्पष्ट बढ़त थी। वहां से जब वह अगला विषय बना तो निरूसंदेह ट्रम्प ने उस रात की सबसे बड़ी गलती कर दी।

# गांधी को मारने-जिलाने का साल

2 अक्टूबर, 2019 से प्रारम्भ होकर 2 अक्टू. 2020 को समाप्त हो रहे अपने 150वें जयन्ती वर्ष के दौरान स्वयं महात्मा गांधी और अनेक तरह के घटनाक्रमों ने देशवासियों के सामने अपनी पसंद व प्रवृत्तियों के अनुसार भावी मार्ग अपनाने की स्वतंत्रता दे दी है। इसके बाद भारत गांधीजी के नाम पर जब 200वां जयन्ती वर्ष मनाएगा, तब तक दुनिया काफी कुछ बदल चुकी होगी। शारीरिक रूप से सात दशक पूर्व मारे गये गांधी के आदर्शों और मूल्यों को भी मारने के अनेक प्रयास हुए हैं, पर इस एक साल के दौरान हुए उपक्रम कहीं ज्यादा बड़े, सघन और सायास रहे हैं। हालांकि यह भी सच है कि इसी दौरान गांधी को नये सिरे से समझने की भी कोशिशें भी हुई हैं। कुल जमा कह सकते हैं, कि यह एक साल गांधी को मारने और जिलाने दोनों ही तरह के प्रयासों का वर्ष रहा है। जयन्ती वर्ष पर देश ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां उसका यह निर्णय ही तय करेगा कि आधी शताब्दी के बाद का भारत कैसा होगा। गांधी को मरता हुआ छोड़ देना है या उसको गिरने से थामना है-यही आज का टू बी ऑर नॉट टू बी है। हमने गांधी को आज बचाया तो आधी सदी के बाद का समाज नैतिकता और मानवतावादी मूल्यों पर आधारित समाज होगाय और अगर उसे तड़पते हुए छोड़ जाते हैं, तो...! शुरुआत करें तो, पिछले साल इसी दिन देश ने जिस श्रद्धा के साथ गांधी को याद किया था, उससे आस बंध चली थी कि जनता और सरकार मिलकर समाज को उन मूल्यों की राह पर ले चलेंगे जो गांधी का ही नहीं, हमारे सम्पूर्ण स्वतंत्रता आंदोलन व आजाद भारत की कार्य योजना का हिस्सा थे। आजाद भारत के प्रारम्भिक वर्षों को छोड़ दें, तो देश गांधीवादी आदर्शों से विभिन्न अवसरों पर छोटे-बड़े कई यू टर्न लेता रहा है, लेकिन अगर पिछले बरस भर का लेखा-जोखा देखें तो निर्विवाद रूप से हम पहले के मुकाबले कहीं अधिक राजनीति-केन्द्रित व राज्य आधारित समाज का हिस्सा बन गये हैं, जो गांधीयन अवधारणा के एकदम खिलाफ है। इसकी प्रक्रिया पहले से जारी थी परन्तु हालिया यह प्रवृत्ति कहीं अधिक गाढ़ी हुई है। पिछला यह एक साल सत्ता द्वारा नागरिकों पर लगातार शिकंजा कसने और उन्हें कमजोर करने के षड़यंत्रों का वर्ष रहा है। न्यायाधीशों को सरकार के पक्ष में दिये जाने वाले फैसलों के लिये सम्मानित करने का चलन भी बढ़ा है जिसके कारण अभिव्यक्ति की आजादी व नागरिक अधिकारों पर जिस बहुतायत में कुठाराघात इस दौरान हुए हैं, वे पहले शायद ही कभी हुए हों। लेखकों-पत्रकारों, वकीलों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को जेल में डालने या उन पर अवमानना के मुकदमे ठोंकने का काम भी सरकार के इसी कार्यकाल में सर्वाधिक हुआ है। देश में मानवाधिकारों की सुरक्षा की स्थिति यह है कि एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भारत से अपना काम ही समेट लिया है। कश्मीर में प्रतिबंधात्मक कानून को बढ़ाया जाना बतलाता है कि सरकार का नागरिक आजादी में न तो भरोसा है और न ही लोगों को उससे सुसज्जित करने में उसकी कोई दिलचस्पी है। इस जयन्ती वर्ष में ही जातीय व साम्प्रदायिक टकराव में वृद्धि दुर्भाग्यपूर्ण है। समाज का अपराधीकरण अलग गुल खिला रहा है। सबसे अधिक चिंतनीय तो यह है कि सामुदायिक-जातिगत संघर्षों से लेकर अपराधों के निर्धारण भी जाति, सम्प्रदाय, राजनैतिक दल, राज्य और सरकार को देखकर हो रहा है। गांधी जयन्ती वर्ष का समापन बाबरी विध्वंस संबंधी न्यायिक फैसले और एक लड़की के बलात्कार से उपजी परिस्थितियों में हो रहा है। 28 वर्ष पूर्व बाबरी मस्जिद को गिराने से देश में जो साम्प्रदायिक द्वेष फैला था, वह देश की उदार संस्कृति के कारण काफी कुछ समाप्त तो हो गया परन्तु इसे अवैधानिक कृत्य मानने के बावजूद सभी दोषियों को मुक्त कर देना न्यायपालिका की विश्वसनीयता को कम ही करता है। अगर मस्जिद गिरने से देश के सामाजिक ताने-बाने को धक्का पहुंचा था, तो इस पर आये फैसले ने हमारी न्यायपालिका की चूलें ही हिला दी हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के हाथरस की एक युवती की बलात्कार कर जिस नृशंसता से हत्या हुई है, उसने समाज की कार्यप्रणाली पर ही सवाल खड़े कर दिये हैं। न्यायपालिका की इस मामले में पहले ही विश्वसनीयता समाप्तप्राय है।

रसूखदार बलात्कारियों को जमानतें और पीड़िताओं को सत्ता की शह पर प्रताड़ित कर हम क्या वैसा समाज रच रहे हैं, जैसा बनाने की कसमें हमारे सत्ताधीश हर 2 अक्टूबर एवं 30 जनवरी को खाया करते हैं? गांधी ने हिंसा से पूर्णतरू मुक्त भारत का स्वप्न देखा था, जो ये भी मानते थे कि हिंसा का सबसे ज्यादा खामियाजा समाज का निचला वर्ग ही भुगतता है। हाथरस की बेटी के बलात्कार व मौत के बाद जिस तरह से आनन-फानन में उसका रात को अंतिम संस्कार किया गया, उससे स्पष्ट होता है कि समाज और सरकार के असंवेदनीकरण की प्रक्रिया इस दौरान काफी तेजी से हुई है। गांधी जयन्ती वर्ष के ही दौरान आए कोविड-19 संकट ने हमारी सरकार के साथ ही समाज की असलियत सामने रख दी है। जिस पांच ट्रिलियन इकानॉमी और विश्वगुरु के पद का नियुक्ति पत्र हाथ में लेकर हम इतरा रहे थे, इस जानलेवा संक्रमण ने बतला दिया कि हमारी आर्थिक उपलब्धियों का हासिल व लाभ बहुत थोड़े से लोगों के लिये आरक्षित है। उनके द्वारा भोजन के उपरान्त इतनी जूठन भी नहीं छोड़ी जायेगी कि करोड़ों भूखों का पेट भर सके। कृषकों और मेहनतकश लोगों के सबसे बुरे दिनों की शुरुआत हो चुकी है। कोरोना के कारण बढ़ती गरीबी और बेरोजगारी के अलावा नये कृषि कानून और श्रम सुधारों के नाम से पूंजीपतियों की जेब में देश को डालने का काम निर्बाध रूप से जारी है। आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के सपने कभी के हवा में उड़ चुके हैं। महामारी को लेकर असत्य बयानी हमारी सत्ता की परम्परा का ही एक हिस्सा बन गई है। कितने लोगों को मदद हुई से लेकर कितनी राशि सरकार ने एकत्र की, इसको बताने में केन्द्र सरकार सीधे मुकर रही है। गांधी की कल्पना में लोकतांत्रिक सरकारें जनता के प्रति हमेशा जवाबदेह होती हैं। वर्तमान निजाम ने उस भावना व व्यवस्था को ही तहस-नहस कर दिया है। गांधी की राजनैतिक परिकल्पना में बहुसंख्यकवाद का कोई स्थान नहीं रहा है परन्तु हम जिस दौर में गुजर रहे हैं, उसमें सारा कुछ बहुसंख्यक लोगों द्वारा और उनके लिए निर्धारित व क्रियान्वित किया जा रहा है। सामाजिक और वैचारिक रूप से अल्पसंख्यक होते समुदायों के हाथों से यह व्यवस्था सारा कुछ छीन लेना चाहती है। इस प्रयास में जहां हमारे साम्प्रदायिक सौहार्द्र को आघात पहुंचा है वहीं वैचारिक विविधता, समन्वय और सर्वस्पर्शी भावनाओं का तेजी से विसर्जन हुआ है जो एकांगी समाज की रचना करेगा। गांधीवाद और विपक्ष के सफाए की हसरतों को पूरा करने के लिए सत्ता देश के श्रेष्ठतम सामाजिक मूल्यों और सांस्कृतिक तत्वों को ही पलीता लगा रही है, जिसका मोल शायद हम उनके तिरोहित हो जाने के बाद समझ सकेंगे। आखिरकार ये तत्व तो गांधी ने इसी देश की माटी से उठाए हैं। जयन्ती वर्ष के समापन पर यह हमें ही तय करना है कि हम गांधी को मार दें या उन्हें जिलाये रखें। गांधी का खात्मा करने के पूर्व यह भी सोचना होगा कि दुनिया ने लगभग सभी तरह के राजनैतिक सिद्धांतों, सामाजिक दर्शनों एवं आर्थिक डॉक्टरीन्स को आजमाकर देख लिया है। इन सभी का उद्देश्य भौतिक विकास करने से ज्यादा कुछ भी नहीं रहा है। इनमें से किसी के भी पास हर तरह की गैरबराबरी दूर करने और सर्वोदय के महान लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कोई योजना नहीं है। इनमें एक तरफ मुठ्ठी भर लोगों की बजबजाती सम्पन्नता और दूसरी ओर अधिसंख्यों के लिए गुरबत और कष्टप्रद दुनिया की डिजाइन के अलावा कुछ निकलकर नहीं आया है। किसी के पास इस बात का जवाब नहीं है कि आखिर मनुष्य के गौरव की रक्षा करने वाला एक ऐसा समाज किस प्रकार बनाया जाए जो न केवल सबके लिए एक सी न्यायपूर्ण भावना से चमचमाता हो, जिसकी बुनियाद में मानवतावाद हो और जिसके स्तंभों पर नैतिकता की नक्काशी हो। वहां आपको एक दिशा में केवल गांधी और दूसरी दिशा में अन्य कोई भी नजर नहीं आयेगा। हमारे नेता विदेश में गांधी के देश से आये हुए मेहमानों के रूप में जाने जाते हैं, लेकिन विश्व को गांधीवादी चेतना देने के पहले हमें उनके आलोक से खुद को प्रकाशित करना होगा। बुद्ध के बाद भारत के पास दुनिया को देने के लिए अगर आज कुछ भी बचा हुआ है, तो वह सिर्फ गांधी ही हैं। ऐसे वक्त में गांधी जयन्ती वर्ष का समापन हो रहा है जब देश की सारी संस्थाएं सत्ता के सामने सिर नवा रही हैं, तो प्रतिरोध की प्रेरणा, ऊर्जा और शैली का प्रदाय तो गांधी बाबा ही करेंगे। अपने जीवन को स्वाहा कर बापू ने यह देश संवारा है और हमें सौंपा है। बापू प्रदत्त मूल्य सरकारों को काबिज कर उन्हें चलाने का दिशानिर्देश मात्र कभी नहीं रहे बल्कि वे समग्र मानवीयता के प्रकाश स्तम्भ हैं। गांधी इंतजार कर सकते हैं, पर मानवीयता नहीं। गांधी को बचाना मनुष्यता के बुनियादी तत्वों को बचाये रखना है। महात्माजी को श्गुड बायश् करने के साथ 200वें वर्ष में उन्हें एक बेहतर देश, बेहतर समाज और एक बेहतर इंसान के रूप में स्वयं को प्रस्तुत करने का संकल्प लेना होगा।

सार समाचार .....

## रोहित ने 38वीं फिफ्टी लगाकर रैना के रिकॉर्ड की बराबरी की

आईपीएल में मुंबई और पंजाब के बीच गुरुवार को खेले गए मुकाबले में बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच शानदार संघर्ष देखने को मिला। पहले पंजाब के गेंदबाजों ने मुंबई को शुरुआती झटके दिए। इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा ने शानदार पारी खेलते हुए लीग में अपना 38वीं फिफ्टी लगाई। इसी के साथ उन्होंने सुरेश रैना (38) के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। लीग में सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने का रिकॉर्ड डेविड वॉर्नर के नाम है। इसके बाद पारी के आखिरी 6 ओवरों में मुंबई ने 104 रन जड़े और टीम का स्कोर 190 के पार पहुंचाया। इसमें कीरोन पोलार्ड ने 4 और हार्दिक पंड्या ने 2 छक्के जड़े। वहीं, पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने मुंबई के खिलाफ अपने 500 रन भी पूरे किए।

## रोहित 5000 रन पूरे करने वाले तीसरे खिलाड़ी

**अबुधामी एजेंसी।** आईपीएल के 13वें सीजन के 13वें मैच में मुंबई इंडियंस ने किंग्स इलेवन पंजाब को 48 रन से हरा दिया। टॉस हारकर मुंबई ने 192 रन का टारगेट दिया था। जवाब में पंजाब 8 विकेट पर 143 रन ही बना सकी। पंजाब के खिलाफ मुंबई की यह सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले मुंबई ने पंजाब को 2016 में 25 रन से हराया था। वहीं, रोहित शर्मा आईपीएल में 5000 रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी भी बने। पंजाब की ओर से निकोलस पूरन ने सबसे ज्यादा 47 रन बनाए। वहीं, मुंबई के राहुल चाहर, जसप्रीत बुमराह और जेम्स पैटिंसन को 2-2 विकेट मिले। क्रुणाल पंड्या और ट्रेंट बोल्ट ने 1-1 विकेट लिए।

**मयंक, राहुल का बल्ला नहीं चला**

पंजाब के लिए ओपनर लोकेश राहुल और मयंक अग्रवाल कमाल नहीं दिखा सके। मयंक ने 25 रन बनाए। उन्हें जसप्रीम बुमराह ने बोल्ड किया। इसके बाद करुण नायर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद राहुल भी ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सके और 17 रन बनाकर राहुल चाहर की बॉल पर बोल्ड हुए।

**5 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके**

पंजाब के 5 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। कृष्णप्पा गौतम ने 22 रन की नाबाद पारी खेली। वहीं ग्लेन मैक्सवेल 11 रन ही बना सके। इसके लिए उन्होंने 18 बॉल खेलीं। उन्हें राहुल चाहर ने आउट किया। इसके अलावा जिमी नीशम और सरफराज खान ने 7-7 रन बनाए। करुण नायर अपना खाता भी नहीं खोल सके। अंत में मोहम्मद शमी 2 रन बनाकर नॉट आउट रहे।

**मुंबई ने 4 विकेट पर 191 रन बनाए**

इससे पहले मुंबई ने 4 विकेट पर 191 रन बनाए। कप्तान रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा 70 रन बनाए। रोहित के अलावा कीरोन पोलार्ड ने 20 बॉल पर नाबाद 47 और हार्दिक पंड्या ने 11 बॉल पर नाबाद 30 रन की पारी खेली। दोनों के बीच 23 बॉल पर 67 रन की पार्टनरशिप भी हुई। पोलार्ड को मैन ऑफ द मैच भी चुना गया। पंजाब की ओर से शेल्डन कॉटरेल, मोहम्मद शमी और कृष्णप्पा गौतम को 1-1 विकेट मिला।

**मुंबई ने आखिरी 5 ओवर में 89 रन बनाए**

मुंबई ने आखिरी 5 ओवरों में 89 रन बटोरे। पिछले मैच में भी मुंबई ने आखिरी 5 ओवर में 89 रन बनाकर मैच को सुपर ओवर तक पहुंचाया था। इससे पहले आईपीएल 2016 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात लॉयन्स के खिलाफ आखिरी 4 ओवरों में 112 रन बनाए थे। वहीं 2019 में भी बेंगलुरु ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आखिरी 4 ओवर में 91 रन जोड़े थे।

**डिकॉक और सूर्यकुमार सस्ते में आउट**

मुंबई के क्विंटन डिकॉक और सूर्यकुमार यादव कुछ खास नहीं कर सके। डिकॉक (0) मैच के पहले ओवर की 5वीं गेंद पर ही आउट हो गए। उन्हें शेल्डन कॉटरेल ने बोल्ड किया। वहीं सूर्यकुमार (10) को मोहम्मद शमी ने रनआउट किया।

**रोहित-किशन ने तीसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़े**

खराब शुरुआत के बाद रोहित शर्मा और ईशान किशन ने पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 62 रन की पार्टनरशिप की। किशन (28) को कृष्णप्पा गौतम ने आउट कर पार्टनरशिप को तोड़ा। आईपीएल में 5000 रन बनाने वाले रोहित तीसरे खिलाड़ी मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने आईपीएल में 5000 रन पूरे किए।

# धोनी आई.पी.एल. में छठवीं बार नॉटआउट रहते हुए टीम को नहीं जीता सके

दुबई | एजेंसी।

चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी नाबाद पवेलियन लौटे, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। आईपीएल में ऐसा उनके साथ छठी और इस सीजन में दूसरी बार हुआ है। इससे पहले वे राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शारजाह में भी 29 रन बनाकर नाबाद लौटे थे, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। चेन्नई की सीजन में यह लगातार तीसरी हार है। जीत के हीरो युवा बल्लेबाज प्रियम गर्ग (51) रहे।

**धोनी-जडेजा ने 72 रन की पार्टनरशिप की**

एमएस धोनी और रविंद्र जडेजा ने 5वें विकेट के लिए 72 रन जोड़े। जडेजा ने 35 बॉल पर 50 रन बनाए। जडेजा को नटराजन ने आउट किया। धोनी 47 रन बनाकर नॉट आउट रहे। इन दोनों के अलावा सिर्फ फाफ डु प्लेसिस ही 22 रन बना सके। बाकी बल्लेबाजों ने टीम को निराश किया।

**वॉटसन और रायडू सस्ते में आउट**

शेन वॉटसन और अंबाती रायडू मैच में कुछ खास नहीं कर सके। वॉटसन की खराब फॉर्म इस मैच में जारी रही। वे सिर्फ एक रन ही बना सके। वॉटसन को भुवनेश्वर कुमार ने आउट किया। इसके बाद रायडू (8) को टी नटराजन ने पवेलियन का रास्ता दिखाया।

**चेन्नई ने 10 ओवर में सीजन का सबसे कम स्कोर बनाया**

चेन्नई ने 10 ओवर में 4 विकेट खोकर 44 रन बनाए। ये इस सीजन में 10 ओवर में सबसे कम स्कोर है। इससे पहले भी चेन्नई ने इसी मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 10 ओवर में 3 विकेट पर 47 रन बनाए थे। वहीं, दिल्ली ने दुबई में ही किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ 3 विकेट पर 49 रन बनाए थे।

**प्रियम ने लगाई पहली फिफ्टी, हैदराबाद का स्कोर 164/5**

इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद ने 5 विकेट पर 164 रन बनाए। हैदराबाद के लिए प्रियम गर्ग और अभिषेक शर्मा ने पांचवें विकेट के लिए 71 रन की पार्टनरशिप की। दोनों ने इसके लिए 43 बॉल खेलीं। प्रियम गर्ग ने आईपीएल के अपने चौथे ही मैच में पहली फिफ्टी लगाई। उन्होंने 26 बॉल पर नाबाद 51 रन बनाए। वहीं, अभिषेक ने 24 बॉल पर 31 रन बनाए।

**विलियम्सन और बेयरस्टो नहीं चले**

हैदराबाद के बल्लेबाज इस मैच में कुछ खास नहीं कर सके। जॉनी बेयरस्टो (0) को मैच के पहले ही ओवर में दीपक चाहर ने आउट किया। इसके बाद मनीष पांडे (29) और डेविड वॉर्नर (28) अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। मनीष को शार्दुल ठाकुर और वॉर्नर को पीयूष चावला ने आउट किया। केन विलियम्सन 9 रन ही बना सके। उन्हें अंबाती रायडू और एमएस धोनी ने रनआउट किया।

**धोनी के नाम एक और रिकॉर्ड**

धोनी आईपीएल में सबसे ज्यादा 194 मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने अब तक कुल 194 मैच खेले हैं। इसके बाद सुरैश रैना (193), रोहित शर्मा (192) और दिनेश कार्तिक (185) का नंबर आता है। रैना ने ट्विटर पर बधाई देते हुए लिखा कि मुझे खुशी है कि मेरा रिकॉर्ड आपने तोड़ा।

**सस्ते-महंगे खिलाड़ियों का परफॉर्मेंस**

सीएसके में कप्तान धोनी सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। फ्रेंचाइजी उन्हें एक सीजन के 15 करोड़ रुपए देगी। धोनी मैच में 36 बॉल पर 47 रन बनाकर नाबाद रहे, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। 80 लाख रुपए कीमत वाले दीपक चाहर सबसे सस्ते खिलाड़ी रहे। उन्होंने मैच में 31 रन देकर 2 विकेट लिए।

वहीं, हैदराबाद के सबसे महंगे खिलाड़ी डेविड वॉर्नर हैं। उन्हें इस सीजन का 12.50 करोड़ रुपए मिलेंगे। वॉर्नर अच्छी शुरुआत के बावजूद कुछ खास नहीं कर सके और 29 बॉल पर 28 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। प्लेइंग इलेवन में टी नटराजन सबसे सस्ते प्लेयर रहे। उन्होंने 43 रन देकर 2 विकेट लिए।

**चेन्नई ने 3 और हैदराबाद ने 2 बार खिताब जीता**

महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई ने लगातार दो बार 2010 और 2011 में खिताब जीता था। पिछली बार यह टीम 2018 में चैम्पियन बनी थी।

**आईपीएल के 13वें सीजन के 14वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपर किंग्स को 7 रन से हरा दिया। हैदराबाद ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 165 रन का टारगेट दिया। जवाब में चेन्नई 5 विकेट पर 157 रन ही बना सकी।**

### हैदराबाद ने चेन्नई को 7 रन से हराया, सीएसके ने बनाई हार की हैट्रिक

नईदिल्ली **एजेंसी।** आईपीएलमैच में चेन्नई को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। धोनी की टीम के लिए चार मैचों में यह तीसरी हार है। शुक्रवार को खेले गए इस टूर्नामेंट के 14वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने सीएसके की टीम को 7 रनों के अंतर से पटखनी दे दी है। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करना चाहते थे, लेकिन ऐसा हो न सका और सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, जिसके वजह से 165 रनों का पीछा करते हुए चेन्नई की टीम सफल नहीं हो सकी।

165 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी चेन्नई ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 157 रन बनाए। एस कुरेन (15 रन) और धोनी (47 रन) नाबाद रहे।

## पारी के अंतिम चार ओवर में औसतन 11.94 के रनरेट से गेंदबाज रन दे रहे हैं

**अबुधाबी , एजेंसी।** आईपीएल के 13वें सीजन के 12 मुकाबले खेले जा चुके हैं।? सभी टीम को कम से कम एक-एक जीत और हार भी मिल चुकी है। ऐसे में किसी एक टीम का पलड़ा भारी है, ऐसा नहीं कहा जा सकता है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण इस बार टीमें न्यूट्रल वेन्यू यानी देश के बाहर खेल रही हैं। किसी भी टीम को होम एडवांटेज नहीं मिल रहा है। इस बार सभी 8 टीम को कम से कम एक मैच जीतने में 11 मैच लगे। पिछले सीजन में 28 मैच के बाद ऐसा हो सका था। सबसे कम 10 मैच बाद सभी टीम को एक-एक जीत जीतने का रिकॉर्ड भी घर के बाहर ही बना था। 2009 में दक्षिण अफ्रीका में लीग के मुकाबले खेले गए थे, तब ऐसा हुआ था। इतना ही नहीं अंतिम 4 ओवरों में 11.94 के रनरेट से गेंदबाज रन दे रहे हैं, जो अब तक खेले गए किसी भी टी20 टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा है 6 मैच में अंतिम 4 ओवर में 60 से अधिक रन बने मौजूदा सीजन के शुरुआती 12 मैच को देखें तो 6 मैच में अंतिम 4 ओवर में 60 से अधिक रन बने। ऐसा नहीं है कि गेंदबाजी कमजोर है। बुमराह और स्टेन के ओवर में भी 25 या उससे अधिक रन बने। पिछले पूरे सीजन में 6 बार एक ओवर में 25 या अधिक रन बने थे। इस बार अभी ही 6 बार ऐसा हो चुका। अंतिम 4 ओवर में औसतन 11.94 के रनरेट से रन बन रहे हैं। इस दौरान अब तक 70 छक्के और 74 चौके लग चुके हैं। यूएई में दूसरी पारी में ओस को देखते हुए टीमें टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला कर रही हैं। लेकिन यह फैसला भी सभी के लिए उल्टा ही साबित हुआ है। 11 बार टॉस जीतने वाली टीमों ने गेंदबाजी का फैसला किया और सिर्फ दो ही मैच में उन्हें जीत मिल सकी है। 67 सबसे ज्यादा मौके बने कैच के दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में। इसमें से लगभग 15 फीसदी यानी 10 कैच छूटे। तीनों मैदान में सबसे ज्यादा। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में 11 फीसदी कैच छूटे हैं। 11 फीसदी गेंद फेंकी है स्पिन गेंदबाजों ने पहले 12 मैचों के पावरप्ले में। पिछले चार सीजन में सबसे कम। 2018 में सबसे ज्यादा 33 फीसदी गेंद स्पिनर्स ने पावरप्ले में फेंकी थी।

## हम तो 19 ओवर में ही मैच निपटाना चाहते थे वार्नर

**दुबई , एजेंसी।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ सात रनों से मिली करीबी जीत के बाद, सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर ने कहा कि उनकी टीम का लक्ष्य 19 वें ओवर में मैच को खत्म करना था। हैदराबाद ने शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग में धोनी की नेतृत्व वाली सीएसके को सात रन से हराया। मैच में एक समय ऐसा आया था जब सीएसके को अंतिम दो ओवरों में 44 रनों की आवश्यकता थी। हालाँकि, हैदराबाद को भुवनेश्वर कुमार के रूप में एक बड़ा झटका लगा, 19 वें ओवर की पहली गेंद पर फेंकने के बाद भुवी, दर्द में दिखे और फिर मैदान से बाहर चले गए। इसके बाद खलील अहमद को ओवर की बची हुई गेंदों को फेंकना पड़ा और सीएसके ने इस ओवर में 16 रन बनाए, जिसके बाद सीएसके को अंतिम छह गेंदों में जीत के लिए 28 रन चाहिए थे। वार्नर ने आखिरी ओवर अब्दुल समद को दिया। वार्नर ने आखिरी ओवर समद को देने के अपने फैसले के बारे में कहा,मैंने उनका साथ दिया।मेरे पास विकल्प भी नहीं थे।खलील ने 5 गेंदें फेंकी।

# बीसीसीआई ने महिला कोचों के प्रशिक्षण के लिए आयोजित किया सेमिनार

**नई दिल्ली , एजेंसी।** राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) की प्रतिभा खोज पहल के तहत देश भर में महिला कोचों के लिए सात सप्ताह तक चले सेमिनारों का समापन हो गया।

एनसीए के शिक्षा विभाग के कोच सुजीत सोमसुंदर के नेतृत्व में और अतुल गायकवाड़, अपूर्वा देसाई और राजीब दत्ता के समर्थन में इस तरह की यह अभूतपूर्व पहल थी। बीसीसीआई से लेवल-2 प्रमाण प्राप्त 24 कोच और बीसीसीआई से लेवल-1 प्रमाण प्राप्त कोचों के अलावा भारत के पूर्व क्रिकेटर इस आयोजन का हिस्सा थे। इसमें कौशल को बढ़ावा देना, आधुनिक कोचिंग, तेज गेंदबाजी की कला को विकसित करना और प्रभावी शिक्षण के लिए माहौल तैयार करना शामिल था।

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने कहा, भारत में महिला क्रिकेट का विकास हो रहा है और हमारी महिला टीम ने पिछले कुछ आईसीसी टूर्नामेंटों में असाधारण प्रदर्शन किया है। देश के सभी हिस्सों से युवा प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। महिला कोचों के कौशल को निखारने के लिए एनसीए के प्रयासों की सराहना करता हूं। मैं इस पहल के लिए राहुल की अगुवाई में एनसीए की टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं। सचिव जय शाह ने कहा, बीसीसीआई भारत में महिला क्रिकेट को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और ये सेमीनार इस दिशा में उठाया गया कदम सराहनीय है। लॉकडाउन ने हमें घर के अंदर रहने के लिए मजबूर कर दिया है और बीसीसीआई ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के माध्यम से ऑनलाइन सेमिनार आयोजित कर समय का सदुपयोग किया है।

एनसीए के अध्यक्ष राहुल द्रविड़ ने कहा, महिला क्रिकेट काफी तेज गति से विकास कर रहा है और बीसीसीआई का उद्देश्य हमारे महिला कोचों को उनके विकास में सहयोग देना जारी रखना है। महामारी में हमने कुछ चुनौतियों का सामना किया है और मेरा मानना है कि हमारे शिक्षा विभाग ने महिला कोचों के साथ जुड़ने, उनके साथ काम करने और निरंतर विकास में उनकी मदद करते हुए समय का अच्छा उपयोग किया है।

**47 रन की नाबाद पारी में धोनी के चेहरे पर दिखी थकान**

**आईपीएल के 13वें सीजन के 14वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपर किंग्स को हराया। इस मैच में कई बार बाजी पलटती हुई दिखी, लेकिन आखिर में हैदराबाद ने 7 रन से मैच जीत लिया। मुकाबले में 39 साल के चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के चेहरे पर पहली बार थकान देखी गई। उन्होंने टीम के लिए नाबाद 47 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।**

# वसीम अकरम पीसीबी के क्रिकेट समिति के चेयरमैन के प्रस्ताव को ठुकराया

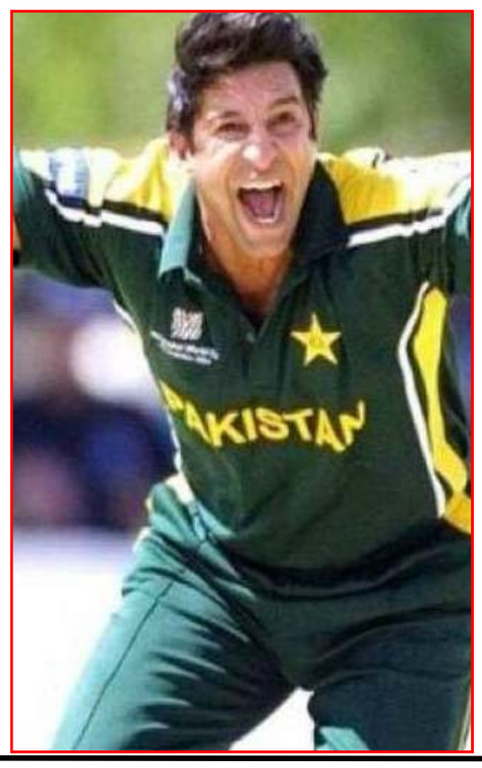


करांची | एजेंसी।

पाकिस्तान के टॉप पांच क्रिकेटरों ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के डोमेस्टिक कॉन्ट्रैक्ट को साइन करने से मना कर दिया है। पाकिस्तान की एक न्यूज वेबसाइट ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि 6 क्रिकेटरों मोहम्मद हाफिज, शोएब मलिक, बिलावल भट्ट, कमरान अकमल, व्हाब रियाज और मोहम्मद आमिर कॉन्ट्रैक्ट के प्रस्तावों से संतुष्ट नहीं हैं। हालांकि मोहम्मद ने आमिर के अलावा अन्य पांच खिलाड़ियों ने कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने से मना कर दिया है। आमिर ने नेशनल टी-20 और नेशनल वनडे टूर्नामेंट के लिए अपने को उपलब्ध बताया है। मोहम्मद हाफिज, शोएब मलिक, बिलावल भट्ट, वहाब रियाज खैबर पख्तूनख्वा की टीम में शामिल हैं। जबकि कमरान अकमल सेंट्रल पंजाब की टीम में शामिल है। पाकिस्तान का घरेलू नेशनल टी-20 टूर्नामेंट रावल पिंडी और मुल्तान में हो रही है। इसका फाइनल 18 अक्टूबर को खेला जाएगा।

**पीसीबी ने कॉन्ट्रैक्ट में ये किए बदलाव**

पीसीबी ने टी-20 कप फर्स्ट इलेवन शुरू होने से पहले, बदलाव करते हुए खिलाड़ियों को एक महीने के कॉन्ट्रैक्ट की पेशकश की है। इसके तहत खिलाड़ियों को रावल पिंडी और मुल्तान में होने वाले घरेलू टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने पर केवल मैच फीस और डेली अलाउंस ही मिलेगा। क्रॉन्ट्रैक्ट के प्रावधानों के तहत खिलाड़ियों को 20 अक्टूबर तक बोर्ड की सभी रुल्स का पालन करना होगा। खिलाड़ी 20 अक्टूबर के बाद ही अपने भविष्य को लेकर कोई निर्णय ले सकते हैं। पीसीबी ने हाल में 2020-21 घरेलू सीजन के लिए 192 खिलाड़ियों के साथ सेन्ट्रैल कॉन्ट्रेक्ट करने की घोषणा की थी।

**वसीम अकरम ने कहा- हितों के टकराव का लग सकता है आरोप**

पीसीबी के क्रिकेट समिति के चेयरमैन के प्रस्ताव को पूर्व क्रिकेट वसीम अकरम ने इंकार कर दिया है। उन्होंने पीसीबी से माफी भी मांगी है। पीसीबी ने क्रिकेट समिति के चेयरमैन इकबाल कासिम के रिजाइन देने के बाद वसीम अकरम को इस पद के लिए ऑफर किया था। अकरम पहले वसीम खान, मोहसिन खान और इकबाल कासिम के साथ क्रिकेट समिति के सदस्य के रूप में काम कर चुके हैं। अकरम ने कहा- मुझ पर हितों के टकराव का आरोप लगाया जा सकता है। मैं नहीं चाहता की किसी की ओर से यह आरोप लगाया जाए।

## हैदराबाद के स्टार गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार चोटिल

**दुबई , एजेंसी।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14वें मुकाबले में भले ही सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम को सात रन से हराकर एक रोमांचक जीत हासिल की हो, लेकिन इस मैच के दौरान हैदराबाद की टीम को एक करारा झटका भी लगा है।

चेन्नई की पारी के 19वें ओवर के दौरान हैदराबाद के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार चोटिल हो गए। चोट के कारण भुवनेश्वर अपना ओवर पूरा नहीं कर सके। उन्होंने पैर स्ट्रेच करने की कोशिश की, लेकिन फिर गेंदबाजी नहीं कर सके। वह रन अप के दौरान दो बार रूके और फिर मैदान से बाहर चले गए। इसके बाद खलील अहमद को ओवर की बची हुई गेंदें फेंकनी पड़ीं। मैच के बाद उनकी चोट को लेकर कप्तान डेविड वार्नर ने कहा कि उन्हें चोट की गंभीरता के बारे में अधिक जानकारी नहीं है। वह मैदान पर थे और उन्हें फिजियो से इस बारे में जानकारी लेनी होगी। मैच के बाद वार्नर ने कहा,मुझे बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है। फिजियो से बात करनी होगी। इसके बाद ही हम इस बारे में जानकारी दे सकते हैं। मैच में हैदराबाद ने पहले खेलते हुए पांच विकेट पर 164 रन बनाए। जवाब में चेन्नई की टीम पांच विकेट खोकर 157 रन ही बना सकी।

## आज आमने सामने होगी राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अबू धाबी में आज शाम के साढ़े तीन बजे वाले मैच में राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम आमने-सामने होगी। दोनों ही टीमों ने अब तक तीन मैच खेले हैं और दो जीते हैं। हालांकि बैंगलोर जहां पिछला मैच जीती है वहीं राजस्थान को हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में दोनों ही टीमें जीत दर्ज कर अंक तालिका में आगे बढना चाहेगी।

एक नजर........

## फैशन अभिव्यक्ति की आजादी के सिवा और कुछ नहीं : कंगना

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने बताया कि कुछ सालों में उनका फैशन सेंस कैसे विकसित हुआ है। अभिनेत्री ने फैशन को अभिव्यक्ति की आजादी के रूप में परिभाषित किया। कंगना रनौत ने अपने ट्विटर पर पहले और अभी की तस्वीरें साझा कीं।

एक फेटों में अभिनेत्री ने फ्रॉक और मोतियों की नेकलेस पहना हैए वहीं दूसरी तस्वीर में अभिनेत्री फैशन शो के पहली लाइन में बैठी हुई हैं।

अभिनेत्री ने ट्वीट में लिखाए जब मैं एक छोटी थी तो मैं खुद को मोतियों से सजायाए करती थी। अपने बाल भी खुद से काटती थी। जांघों तक मोजे और हील्स पहना करती थी। लोग मुझ पर हंसा करते थे।

उन्होंने लिखाए एक गांव से लंदनए पेरिसए न्यूयॉर्क फैशन वीक में पहली लाइन में बैठने तक का सफर। मुझे लगता है फैशन कुछ और नहीं बल्कि अभिव्यक्ति की आजादी है ।

## शाहरुख विद्या बालन और सुशांत ने मुझे प्रेरित किया राधिका मदान

अभिनेत्री राधिका मदान का कहना है कि उन्होंने सुपरस्टार शाहरुख खान से फिल्मों में आने की प्रेरणा ली। राधिका टेलीविजन इंडस्ट्री में एक जाना.पहचाना चेहरा थींए जब उन्होंने फिल्मों का रुख किया। उन्हें टेलीविजन शो मेरी आशिकी तुम से ही में देखा गया था और उन्होंने रियलिटी डांस शो झलक दिखला जा 8 में भी भाग लिया था। 2018 मेंए उन्होंने विशाल भारद्वाज की पटाखा के साथ बॉलीवुड में आगाज किया और पीछे मुड़कर नहीं देखा। राधिका ने बतायाए मैं टीवी में जाना.पहचाना चेहरा थीए लेकिन मुझे बॉलीवुड में अपनी यात्रा शून्य से शुरू करनी पड़ी। ऐसा नहीं था कि मुझे तुरंत भूमिकाएं मिल गईं। मुझे कई ऑडिशन देने पड़े थे। यहां तक कि मैंने अपने बारे में कई नकारात्मक टिप्पणियां सुनीं। लेकिन उन टिप्पणियों ने मुझे आगे बढने से नहीं रोका। मैंने अपने सपनों पर भरोसा किया। राधिका ने कहाए मैं खुद से कहती थी कि अगर शाहरुख ;खानद्ध सर या विद्या ;बालनद्ध मैम या सुशांत ;सिंह राजपूतद्ध फिल्मों में अपनी पहचान बना सकते हैंए तो मैं भी कर सकती हूं। उनकी यात्रा ने मुझे बहुत प्रेरित किया। ये सभी टेलीविजन बैकग्राउंड से फिल्मों में आएं। मुझे लगता है कि माध्यम कोई मायने नहीं रखता। जो बात मायने रखती है वो है कड़ी मेहनत।

## एक बार फिर से इस फिल्म में नजर आएगी दिशा पाटनी और आदित्य रॉय कपूर की जोड़ी

बॉलीवुड के मशहूर कलाकार दिशा पाटनी और आदित्य रॉय कपूर को आपने आखिरी बार फिल्म मलंग में देखा था जो इस साल की शुरूआत में ही रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स आफिस पर अच्छी खासी कमाई की थी। साथ ही दिशा पाटनी और आदित्य रॉय कपूर की फ्रेश जोड़ी को भी काफी पसंद किया गया था। हालांकि अब एक अच्छी खबर सामने आई है जो इन दोनों की जोड़ी को फिर से एक साथ देखना चाहते है। जी हां आपको बता दें कि दिशा पाटनी और आदित्य रॉय कपूर को एक बार फिर से फिल्म में आप देखने वाले थे।

लेकिन अब इन दोनों को साथ में देखने वाले फैंस के लिए शॉकिंग खबर थी। हालांकि अब इसी बीच एक और अच्छी खबर सामने आई हैं। आपको बता दें कि कुछ समय पहले अभिनेता आदित्य रॉय कपूर ने मोहित सूरी की फिल्म एक विलेन 2 को करने से मना कर दिया था। इसके बाद उन्होंने अहमद खान की फिल्म ओम को साइन किया है जिसमे दिशा पाटनी और आदित्य रॉय कपूर की जोड़ी एक बार फिर से नजर आने वाली है। अहमद खान की फिल्म एक बड़ी एक्शन फिल्म होने वाली है जिसको वही प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म में दिशा पाटनी और आदित्य रॉय कपूर मुख्य किरदार में नजर आने वाले है। फिल्म ओम का निर्देशन कपिल टीनू वर्मा करने वाले है।

अगर दिशा पाटनी और आदित्य रॉय कपूर की

# हिना खान ने ग्लैमरस अंदाज में मनाया अपना जन्मदिन



फिल्म अभिनेत्री हिना खान ने शुक्रवार को अपना जन्मदिन बहुत ही धूम-धाम से मनाया हैद्य बर्थडे गर्ल हिना खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया था, इसमें वह अपने जन्मदिन का पूरा आनंद ले रही हैं। वह अपने आउटफिट में बर्थडे प्रिंसेस के अंदाज में बिल्कुल स्टनिंग लग रही हैंद्य अभिनेत्री हिना खान आज एक साल और बड़ी हो गईं और वह अपना जन्मदिन मनाकर उत्साहित हैं।

आधी रात के बाद से वह अपने इंडस्ट्री के सहयोगियों, दोस्तों और अपने बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल के साथ पार्टी कर रही है। अभिनेत्री ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया हैद्य इससे प्रशंसकों को उनके जन्मदिन के जश्न की एक झलक मिल गई। ऐसा प्रतीत होता है कि हिना ने अपने जन्मदिन पर खूब एन्जॉय किया है। हिना खान ग्रे ड्रेस में काफी खूबसूरत लग रही हैंद्य उसके द्वारा शेयर किए गए वीडियो में उन्हें सिर हिलाते हुए और एक उज्ज्वल मुस्कान बिखेरते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में बैकग्राउंड में हैप्पी बर्थडे की धुन बज रही हैद्य इसमें हिना अपने कैमरे को घुमाती हुई अपने जीवन के इस खूबसूरत पल को कैद कर रही हैं। वीडियो में भी देखा गया है कि नागिन 5 की अभिनेत्री ने जन्मदिन की जमकर शुभकामनाएं ली है। उन्होंने इस वीडियो को कैप्शन दिया हिना के इस पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए अभिनेता रोहित बोस रॉय, द्रष्टि धामी और मोहम्मद कथूरिया ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। हिना को जन्मदिन की बधाई देते हुए रोहित ने लिखा, हैप्पी बर्थडे डार्लिंग ... ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद, जबकि द्रष्टि धामी ने लिखा, हैप्पी बर्थडे प्यार, मोहित ने भी हिना को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। चल रहे COVID-19 महामारी के कारण कई कलाकारों को जन्मदिन की पार्टियों की कम मेजबानी करते देखा गया था, लेकिन हिना के प्रेमी रॉकी ने उनके लिए इस दिन को एक खास दिन बनाया। उन्होंने अपनी इटली यात्रा के दौरान के अपने खूबसूरत पलों का एक वीडियो बनाया और इसे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रोमांटिक कैप्शन के साथ शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, जैसे चिलमिलाती धूप में, छाव की बहार खिल गई... हम जीत गए हर मंजिल तभी, जब सफर में तुम मिल गई।

# तमन्ना ने अंधाधुन के तेलुगू रीमेक में अपने किरदार के बारे में बताया



अभिनेत्री तमन्ना भाटिया हिंदी थ्रिलरए श्अंधाधुन्य के तेलुगू रीमेक में तब्बू की भूमिका को निभाती नजर आएंगी। अभिनेत्री इसे लेकर काफी उत्साहित हैं।

अभिनेत्री ने कहाए मैं हमेशा से तब्बू के काम की एक उत्साही प्रशंसक रही हूं और उनके द्वारा निभाई गई भूमिका को फिर से निभाने को लेकर मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं। मूल फिल्म का लोगों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव है और उसने जिज्ञासा पैदा करने में सफलता हासिल की। मुझे मूल फिल्म के बारे में व्यक्तिगत रूप से जो पसंद आयाए वह स्क्रिप्ट और स्क्रीनप्ले थी। इसमें कोई नायक या कोई खलनायक नहीं था। अभिनेता नितिन तेलुगू रीमेक में आयुष्मान खुराना की भूमिका को फिर से दोहराएंगे। आयुष्मान को इस किरदार के लिए नेशनल अवॉर्ड मिल चुका है। तमन्ना ने आगे कहा यह एक बहुत ही अपरंपरागत कास्टिंग है और मैं हमेशा ऐसी फिल्म करना चाहती हूं जो मनोरंजक होए वहीं इसमें डार्क मोमेंट भी हैं। मैं पहली बार नितिन के साथ काम कर रही हूं और वह तेलुगू उद्योग के उन कुछ लोगों में से एक है जिनके साथ मैंने पहले कभी काम नहीं किया। इसलिए मैं इस परियोजना के लिए काफी उत्सुक हूं। अंधाधुन्य श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित एक ब्लैक कॉमेडी क्राइम थ्रिलर है जिसमें आयुष्मान एक पियानो वादक का किरदार निभा रहे हैं जो अंधे होने का दिखावा करता है और वह उस समय समस्याओं से घिर जाता है जब वह एक वृद्ध फिल्म अभिनेता की हत्या का गवाह बन जाता है जिसे अभिनेता की पत्नी व उसका प्रेमी ही अंजाम देते हैं।

# जैकी स्क्रिप्ट के अलावा कई चीजों पर एक साथ कर रहे काम

निर्माता जैकी भगनानी इस समय अक्षय कुमार अभिनीत अपनी आगामी परियोजना बेल बॉटम की शूटिंग के लिए यूके में हैं। भले ही निर्माता देश से दूर हैंए फिर भी वह नई स्क्रिप्ट पर काम करने के साथ.साथ अपने लेबल के लिए गाने और पोस्ट प्रोडक्शन के काम पर घंटों खर्च कर रहे हैं। यूके में रह कर जैकी किस तरह मल्टीटास्किंग कर रहे हैए इस बारे में बात करते हुएए उनके करीबी एक सूत्र ने बतायाए हर किसी की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए बेल बॉटम की शूटिंग के लिए जैकी पूर्ण रूप से वहां मौजूद हैंए क्योंकि इस वक्त सभी कठिन दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने आगे कहाए इसके साथ हीए जैकी कुली नंबर 1 के पोस्ट प्रोडक्शन का काम भी देख रहे हैं और नई स्क्रिप्ट पर काम कर रहे है। वह जेजस्ट म्यूजिक के आगामी रिलीज पर भी नजर बनाये हुए हैंए ताकि जब वह भारत वापस आएए तो वह विभिन्न परियोजनाओं पर काम शुरू कर सकें। जैकी भगनानी अपने क्रू के साथ शूटिंग शुरू करने और विदेश का रुख करने वाले चुनिंदा निर्माताओं में से एक थे। निर्माता ने व्यक्तिगत रूप से भी सभी की सुरक्षा पर ध्यान दिया है और यह सुनिश्चित किया है कि नए सामान्य के सभी दिशानिदेशरें का पालन किया जाए। जैकी दिन.रात काम में व्यस्त हैं और अबए सभी की निगाहें उनके आगामी परियोजनाओं की घोषणा पर टिकी है। साथ हीए उनके लेबल जेजस्ट म्यूजिक से कृष्ण महामंत्र और लव सॉन्गए लव यू ते दूजा सॉरी के बाद अब नए रिलीज का इंतजार है।

# ईशान खट्टर और अनन्या पांडे की खाली पीली पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची

कई महीनों के इंतजार के बाद ईशान खट्टर और अनन्या पांडे की आने वाली फिल्म खाली पीली ओटीटी प्लैटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है। कहा जा रहा है कि फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने के अलावा बेंगलुरु और गुरुग्राम के सिनेमाघरों में भी रिलीज की जाएगी। सिनेमाघरों में रिलीज करने के लिए फिल्म को सेंटल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिक्रेशन ;सेंसर बोर्डद्ध का सर्टिफिक्रेट लेना जरूरी हो गया। बताया जा रहा है कि इसके बाद सेंसर बोर्ड ने फिल्म के कई सीन पर कैंची चला दी है। सेंसर बोर्ड को फिल्म के कई सीन और डायलॉग्स अश्लील और कामुक लग रहे थे।

एक रिपोर्ट के मुताबिकए फिल्म में कुछ डायलॉग्स ऐसे हैं जिन पर सेंसर बोर्ड ने आपत्ति जताई थी। उन डायलॉग्स में गाली.गलौज वाली अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया गया था। रिपोर्ट में बताया गया है कि फिल्म के गाने तहस नहस में से भी एक कामुक दृश्य को काट दिया गया है।

इसके अलावा सेंसर बोर्ड ने फिल्म के मेकर्स को से शुरु में एक डिस्क्लेमर दिए जाने के भी निर्देश दिए हैं जिनमें लिखा हो कि फिल्म किसी भी तरह से महिलाओं और बच्चों के शोषण का सपोर्ट नहीं करती हैं। सेंसर बोर्ड ने फिल्म में स्मोकिंग वाले सीन्स में धूम्रपान के खिलाफ दिए जाने वाले संदेशों के फॉन्ट साइज बढ़ाने को भी कहा है। साथ ही फिल्म के सेकंड हाफ के शुरुआत में धूम्रपान के खिलाफ एक विज्ञापन भी जोड़ा गया है। इतने सारे कट्स लगाने के बाद सेंसर बोर्ड ने 22 सितंबर को फिल्म को यूध्ए सर्टिफिक्रेट दे दिया है। अब पूरी फिल्म 1 घंटा 59 मिनट की है। 2 अक्टूबर को ओटीटी पर रिलीज हो रही इस फिल्म का सेंसर वर्जन ही रिलीज किया जाएगा। फिल्म में ईशान खट्टर और अनन्या पांडे के अलावा जयदीप अहलावत विलन की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का डायरेक्शन मकबूल खान ने किया है।

# मोनालिसा ने पिंक टॉप और ब्लू जींस में यूं कराया फोटोशूट

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस मोनालिसा इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव हैं और फैन्स के बीच अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती हैं. मोनालिसा का अलग अंदाज फैन्स को काफी पसंद आता है. उनके पोस्ट तेजी से इंटरनेट पर वायरल होते हैं. मोनालिसा ने फिर से अपनी कई तस्वीरों को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम एकाउंट पर पोस्ट किया है. इन फोटोज में मोनालिसा पिंक कलर का टॉप और ब्लू जींस पहनी हुई नजर आ रही हैं. जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं. मोनालिसा की इन तस्वीरों पर फैन्स जमकर रिएक्शन भी दे रहे हैं. अभी तक 1 लाख 16 हजार से ज्यादा बार फोटोज को देखा जा चुका है. बिग बॉस 10 की कंटेस्टेंट रहीं मोनालिसा का हाल ही में एक और वीडियो वायरल हुआ था. इस वीडियो में एक्ट्रेस करीना कपूर के गाने तारीफां पर अपने जलवे बिखेरती नजर आईं थीं. मोनालिसा ने भोजपुरी सिनेमा के साथ ही हिंदी फिल्मों और सीरियल्स में भी जबरदस्त पहचान बनाई है. उन्होंने अब तक मनी है तो हनी है, सरकार राज, गंगा पुत्र और काफिला जैसी कई बॉलीवुड फिल्में की हैं. आखिरी बार एक्ट्रेस स्टार प्लस पर आने वाले सीरियल नजर में डायन का किरदार निभाते हुए दिखाई दी थीं. इसके अलावा मोनालिसा ने बिग बॉस 10 में भी अपने अंदाज से खूब पहचान बनाई थी. शो में उनके साथ उनके पति विक्रांत सिंह राजपूत ने भी हिस्सा लिया था और बिग बॉस के घर में ही दोनों की शादी हुई।

## रितेश देशमुख ने टीवी सेट का फेस किया पीछे

बॉलीवुड एक्टर रितेश देशमुख उन सितारों में से हैं, जो सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना पसंद करते हैं. उनका कोई भी पोस्ट तेजी से वायरल हो जाता है. रितेश देशमुखअपने फनी अंदाज से लोगों को एंटरटेन करने के साथ-साथ समसामयिक मुद्दे पर भी खुलकर अपनी राय पेश करते हैं. रितेश देशमुख ने अब हाल ही में अपने ट्विटर हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसपर यूजर्स के साथ-साथ सितारे भी जमकर रिएक्शन दे रहे हैं. रितेश देशमुख ने टीवी सेट की एक फोटो को शेयर किया है, जिसका मुंह पीछे की तरह किया गया है. इस फोटो के साथ ही लिखा गया है- वास्तु शाष्त्र के जानकारों के ताजा रिसर्च में ये बात सामने आई है कि अगर आप अपने टीवी सेट का फेस पीछे रखते हैं तो घर पर बहुत शांति रहेगी. रितेश देशमुख ने इस पोस्ट को शेयर कर लिखा है- ये पोस्ट उन सभी लोगों के लिए है, जो वास्तु में विश्वास रखते हैं. रितेश देशमुख का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींच रहा है. वर्क फ्रंट की बात करें तो रितेश देशमुख को हाल ही में टाइगर श्रॉफ और श्रद्धा कपूर के साथ फिल्म बागी 3 में देखा गया था. इस फिल्म ने रिलीज होते ही धमाल मचा दिया था।

## साउथ फिल्मों की सुपरस्टार हैं एक्सक्यूज़ मी मैडम की बोल्ड ऐक्ट्रेस नायरा बनर्जी

एक्सक्यूज मी मैडम की कहानी एक ऐसे शादीशुदा मर्द के इर्द.गिर्द घूमती है जो अपनी ही बॉस पर डोरे डालने लगता है। यही नहीं हर लड़की को देख उसका दिल मचल जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि नायरा बनर्जी सिर्फ एक ऐक्ट्रेस ही नहीं बल्कि असिस्टेंट डायरेक्टर भी हैं। इमरान हाशमी की फिल्म अजहर में उन्होंने टोनी डिसूजा को असिस्ट किया था। वह हिंदी फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

# वर्ल्ड एनिमल वेलफेयर डे के अवसर पर टीवी कलाकार बता रहे हैं जानवरों की देखभाल और सुरक्षा की बात

मुम्बई। वर्ल्ड एनिमल वेलफेयर डे को 'एनिमल लवर्स डे' भी कहा जाता है। इसके उपलक्ष्य में एण्डटीवी के कलाकारों और पशुओं को गर्व से पालने वालों ने अपने पशुओं के प्रति प्रेम और लगाव व्यक्त किया और उनकी भलाई की बात कही। इन लोगों में संभावना सेठ (गुड़िया हमारी सभी पे भारी की महुआ), हिमानी शिवपुरी (हप्पू की उलटन पलटन में कटोरी अम्मा), निर्भय वाधवा (कहत हनुमान जय श्री राम में बाली) और तन्वी डोगरा (संतोषी माँ सुनाये व्रत कथाएं) शामिल हैं।

संभावना सेठ (महुआ) ने कहा, ''लोग मुझे अक्सर अपने पालतू पशुओं कैंडी, कोको और चेरी के साथ मेडिटेट करते हुए देखते हैं और मेरी अक्ल पर शक करते हैं, लेकिन पशुओं को भी मानसिक स्वास्थ्य की समस्या होती है। तेज आवाजें, अमानवीय व्यवहार और घर की छोटी-मोटी लड़ाइयाँ भी उन्हें कष्ट देती हैं। इसलिये, मैं नकारात्मकता को दूर करती हूँ और उन्हें बहुत दुलार देती हूँ। जानवर इंसानों की तरह खुद को अभिव्यक्त नहीं कर सकते; इसलिये, हमें उनकी भावनात्मक और मानसिक जरूरतों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिये।

हिमानी शिवपुरी (कटोरी अम्मा) ने कहा, ''आर्या और मैं एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते, लेकिन मेरे इलाज के दौरान मेरे पास उसे घर पर छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। शुरूआत में थोड़ी समस्या हुई, लेकिन फिर आर्या की देखभाल के लिये कई लोग आ गये। लेकिन जब मैं घर लौटी, तो वह मेरे पास आकर सो गई और मुझे अकेला नहीं छोड़ा। जानवरों को भी इंसानों की तरह देखभाल, प्यार और लगाव चाहिये, और खासकर उनके पालकों की गैर मौजूदगी मेंउनकी भलाई सबसे महत्वपूर्ण है।''निर्भय वाधवा (महाराज बाली) ने कहा, ''किसी पशु का पालक होना बड़ी जिम्मेदारी है और उनका स्वास्थ्य तथा तंदुरूस्ती अत्यंत महत्वपूर्ण है। मैं थोर का रूटीन चेक-अप, फिजिकल फिटनेस और हेल्दी डाइट सुनिश्चित करता हूँ। जानवरों का प्यार विशुद्ध और बिना शर्त का होता है। इंसान होने के नाते हमें अपने आस-पास सभी प्रकार के जानवरों और प्रजातियों के लिये संवेदनशील होना चाहिये। जब लोग जानवरों से भेदभाव करते हैं और अमानवीय व्यवहार करते हैं, तब मुझे दुख होता है। यह रूकना चाहिये और इसके लिये कड़े कानून बनाने चाहिये।''

तन्वी डोगरा (स्वाति) ने कहा, ''मैं अपने बेबी ऑस्कर से बहुत प्यार करती हूँ और उसे खुश देखने के लिये कुछ भी कर सकती हूँ। लेकिन मुझे इस बात से दुख होता है कि सड़कों पर कई जानवर हैं, जिन्हें सुरक्षित जगह, देखभाल और प्यार चाहिये, लेकिन उनकी अक्सर उपेक्षा होती है। लॉकडाउन के दौरान कई जानवरों की उपेक्षा हुई और वे भूख से मर गये। जानवर भी जीवित प्राणी हैं।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob:
8896925119, 9695670357
Email:
kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।